राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 14 अगस्त 2024 वर्ष-7,अंक-202 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

माननीयों के लिए ई-विधायक ऑफिस योजना प्रारंभ करेगी मोहन सरकार

भोपाल ।

मध्य प्रदेश के माननीयों को डिजिटल करने के लिए डॉ. मोहन यादव सरकार बड़ा बदलाव करने वाली है। मोहन सरकार अब से विधायकों को लैपटाप या कंप्यूटर खरीदने के लिए अलग से राशि नहीं देगी। बल्कि राशि के बजाय ई-विधायक ऑफिस योजना प्रारंभ की जाएगी। इस योजना के लिए प्रत्येक विधायक को सरकार की तरफ से पांच लाख रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। बताया गया है कि राशि से माननीन ई-ऑफिस की व्यवस्था बनाएंगे। उनका यह कार्यालय ई-विधान से जुड़ेगा और विधायक को हर विषय की पूरी जानकारी मात्र सिंगल क्लिक पर मिलेगी। गौरतलब है कि वर्तमान में विधायकों को प्रश्न पूछने की व्यवस्था ऑनलाइन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि विधायकों को कामकाज में आसानी हो, इसलिए ई-आफिस की व्यवस्था शुरू की जा रही है। गौरतलब है कि अब तक विधायकों को लैपटाप खरीदने 35 हजार रुपये तक दिए जाते थे। इसके लिए विधायक लैपटाप या कंप्यूटर लेकर उसका बिल विधानसभा सचिवालय को आवेदन के साथ देते थे और फिर संसदीय कार्य विभाग से राशि मिल जाती थी, लेकिन 16वीं विधानसभा के गठन के बाद से विधायकों को यह राशि भी नहीं दी गई है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार इस बार अभी किसी विधायक की ओर से लैपटाप के लिए राशि दिलाने का आवेदन नहीं दिया गया है।

पतंजलि के खिलाफ अवमानना केस बंद

दिल्ली ।

पतंजलि आयुर्वेद और योग गुरु स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ अदालत की अवमानना का केस बंद कर दिया है।कोर्ट ने दोनों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वे कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कुछ भी करते हैं, जैसा कि पहले हुआ था, तो कोर्ट कड़ी सजा देगा। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने मंगलवार को फैसला सुनाया। 14 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी की बदनामी का आरोप लगाया गया था।

आतंकियों के 8 मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पुलिस ने 8 ओवर ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया है। जैश आतंकी मॉड्यूल के इन वर्कर्स ने 26 जून को डोडा में मारे गए 3 जैश के आतंकियों की मदद की थी। इन ओवर ग्राउंड वर्कर्स ने आतंकियों को बॉर्डर पार करने के बाद डोडा के जंगल और पहाड़ियों तक पहुंचाने में मदद की थी। साथ ही उन्हें खाना और रहने के लिए जगह भी मुहैया कराई थी। आतंकी मॉड्यूल के ये वर्कर्स पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर्स से भी संपर्क में थे। 26 जून के एनकाउंटर के बाद सेंट्रल एजेंसियों ने ही पुलिस को इन वर्कर्स के गंडोह में छिपे होने की जानकारी दी थी।

राजस्थान में सब इंस्पेक्टर पेपर लीक मामला- 11 ट्रेनी एसआई की जमानत याचिका खारिज

जयपुर ।

राजस्थान में सब इंस्पेक्टर पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट में 11 ट्रेनी एसआई की उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दिया है। इस मामले में शीर्ष अदालत ने कहा है कि अपराधियों का अपराध पूरे समाज के खिलाफ है, इनके कारण लाखों प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों की भावनाओं के साथ खेला गया है। इस मामले को लेकर बीते दिनों आरोपी सुभाष बिश्नोई सहित ट्रेनी एसआई ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी जमानत को लेकर याचिका दायर की थी। इसकी सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने यह बड़ा आदेश दिया। जस्टिस नरसिंह और जस्टिस पंकज मित्तल की खंडपीठ ने कहा कि पुलिस ने कोई कानून का उल्लंघन नहीं किया है इस मामले में एसओजी ने पर्याप्त सबूत पेश किए हैं। इसके बाद ही उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 24 घंटे में आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। सुप्रीम कोर्ट एसओजी और राज्य सरकार के तर्कों से सहमत है। बता दें कि ट्रेनी एसआई ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताकर जमानत की याचिका दायर की थी। राजस्थान में 2021 एसआई पेपर लीक भर्ती परीक्षा को लेकर एसओजी ने 11 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार किया। इस मामले में आरोपी ट्रेनी एसआई ने 8 मई को हाई कोर्ट में अपनी जमानत की याचिका लगाई थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद आरोपी बिश्नोई और सुरेंद्र बगड़िया सहित 6 आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताकर याचिका दायर कर जमानत देने की मांग की।

आने वाले 5 साल दुनिया के लिए बेहद भयानक होने वाले हैं - विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आने वाले 5 साल दुनिया के लिए बेहद भयानक होने वाले हैं। दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम में कहा, रूस और यूक्रेन के बीच ढाई साल से ज्यादा समय से जंग चल रही है। इससे वेस्ट एशिया में मिलिट्री टेंशन बढ़ता जा रहा है। जबकि साउथ ईस्ट में भी उथल-पुथल शुरू हो चुकी है। दुनिया के सामने आर्थिक चुनौतियां बड़ी होती जा रही हैं। वहीं, क्लाइमेट चेंज भी हमारी चिंता को बढ़ा रहा है। विदेश मंत्री से पूछा गया था कि दुनिया के ताजा हालात पर उनकी क्या राय है? इसके जवाब में जयशंकर ने कहा, मैं एक आशावादी इंसान हूं। आम तौर पर मैं समाधान से निकलने वाली समस्याओं के बजाय समस्याओं के समाधान के बारे में सोचता हूं। मैं बहुत संयम के साथ कहूंगा कि हम एक असाधारण कठिन दौर से गुजर रहे हैं। जयशंकर ने दुनिया में चल रही दो जंग और ईरान-इजरायल में बढ़ते मनमुटाव पर कहा, इनके बीच का तनाव धीरे-धीरे आर्थिक चुनौतियों में तब्दील होता जा रहा है। जैसे बीते साल रूस और यूक्रेन में चल रही जंग की वजह से ईंधन के दामों में बढ़ोतरी हो गई थी। उर्वरकों के दाम में भी अचानक से इजाफा दर्ज किया गया था। जयशंकर कहते हैं, इन दिनों आप देख सकते हैं कि दुनिया किन आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ज्यादा से ज्यादा देश संघर्ष कर रहे हैं। आज कारोबार करना मुश्किल होता जा रहा है। फॉरिन एक्सचेंज की भी शॉर्टेज होने लगी है। विकास के रास्ते में इसी तरह की कई बाधाएं हैं। विदेश मंत्री ने इसके साथ ही लाल सागर में समुद्री लुटेरों की घटनाओं पर भी चिंता जताई है। ईरान समर्थित हूथी मिलिशिया के लड़ाके कमर्शियल जहाजों को टारगेट कर रहे हैं।

भारत के कई राज्यों में बेहतर हुआ लिंगानुपात

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्र सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की भारत में महिला और पुरुष 2023 रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लिंगानुपात 2011 के प्रति एक हजार पुरुषों पर 943 महिलाएं के स्तर से बढ़कर 2036 में प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाएं होने की संभावना है. वहीं अगर देशभर में लिंगानुपात में आए बदलाव की बात करें तो देश में सबसे सकारात्मक सुधार दिल्ली में आया है. वहीं अगर सबसे खराब सुधार की बात करें तो इस मामले में दमन और दीव सबसे आगे हैं. वहां यह सुधार नकारात्मक है. आइए देखते हैं कि देश में सबसे खराब और सबसे अच्छे लिंगानुपात वाले पांच राज्य कौन से हैं. पहले बात करते हैं सबसे अच्छे अनुपात वाले पांच राज्यों की. इस लिस्ट में सबसे आगे है दिल्ली. रिपोर्ट के मुताबिक 1951 से 2011 तक दिल्ली के लिंगानुपात में 5.7 त्न का बदलाव आया है. साल 1951 में दिल्ली का लिंगानुपात 768 का था. यह 2011 में बढ़कर 868 हो गया था.इस तरह दिल्ली के लिंगानुपात में 1951 से 2011 के बीच 5.7 त्न का बदलाव आया है.इस सूची में दूसरे नंबर पर चंडीगढ़ का नंबर है.वहां 1951 और 2011 के बीच लिंगानुपात में 5.3 त्न का बदलाव आया है.तीसरे नंबर पर अरुणाचल प्रदेश का नाम है. अरुणाचल में 1951 और 2011 के बीच लिंगानुपात में पांच त्न का बदलाव आया है. वहीं चौथे नंबर पर दक्षिण भारत के राज्य पुडुचेरी का नाम है. साल 1951 और 2011 के बीच इस राज्य के लिंगानुपात में 3.6 त्न का बदलाव आया है. वहीं पांचवें नंबर पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह का नाम है. साल 1951 से 2011 के बीच यहां के लिंगानुपात में 3.5 त्न का बदलाव आया है.

आइए बात करते हैं लिंगानुपात में सबसे खराब बदलाव वाले राज्यों की. इस सूची में सबसे पहला नाम दमन और दीव का है.साल 1951 में दमन और दीव का लिंगानुपात 1125 का था. यह 2011 में घटकर 618 रह गया है. इस तरह दमन और दीव के लिंगानुपात में माइनस 13 त्न का अंतर दर्ज किया गया है.वहीं दादर नगर हवेली में लिंगानुपात में माइनस 5.7 त्न का अंतर दर्ज किया गया है.

पीएम मोदी 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराकर पूर्व पीएम को छोड़ेंगे पीछे

15 अगस्त पर समारोह में 18 हजार मेहमानों को किया आमंत्रित

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लगातार 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराने वाले देश के तीसरे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ, पीएम मोदी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को पीछे छोड़ देंगे जिन्होंने लगातार दस बार लाल किले पर तिरंगा फहराया था। साथ ही, पीएम मोदी इंदिरा गांधी की बराबरी करेंगे, जिन्होंने लाल किले पर 16 बार तिरंगा फहराया था।

पीएम मोदी इस मामले में पंडित जवाहरलाल नेहरू से पीछे रहेंगे, जिन्होंने लाल किले पर 17 बार लगातार तिरंगा फहराया था। नेहरू ने 1947 से 1963 तक लगातार 17 सालों तक लाल किले पर झंडा फहराया। इसके बाद इंदिरा गांधी ने 1966 से 1976 और 1980 से 1984 तक 16 बार लाल किले पर तिरंगा फहराया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने 2004 से 2013 तक दस बार इस परंपरा को निभाया था।

इस स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त पर लाल किले में समारोह के लिए 11 श्रेणियों में कुल 18 हजार मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। इनमें चार हजार खास मेहमान महिलाएं, किसान, युवा और गरीब वर्ग के लोग भी शामिल होंगे। यह वर्ग पीएम मोदी द्वारा देश की चार प्रमुख जातियों के रूप में पहचाना गया था।

इसके अलावा, पेरिस ओलंपिक 2024 में शामिल सभी खिलाड़ियों को इस समारोह में आमंत्रित किया गया है।

इस प्रकार लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडा फहराने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की विविधताओं और उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मेहमानों के शामिल होने से समारोह और भी खास हो जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान......देश को मजबूत करने का आंदोलन बन गया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा, हर घर तिरंगा अभियान का आह्वान प्रधानमंत्री ने किया है, इस लेकर पूरे देश में उत्साह है। उन्होंने राष्ट्र को जगाने के लिए हर तिरंगा अभियान को शुरु किया, जो देश को मजबूत करने का एक आंदोलन बन चुका है। आज तिरंगा यात्रा भारत मंडपम से निकली है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत न कहा, भारत को एकता के सूत्र में बांधने के लिए हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया गया है। जिन्होंने देश को आजाद करने के लिए या देश को सुरक्षित रखने के लिए अपनी कुर्बानी दी है। हम उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि मां भारती के सम्मान के लिए हम सदैव तत्पर रहने वाले है। उधर कर्नाटक के हुबली में छात्रों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। ये तिरंगा यात्रा चिन्मया महाविद्यालय से शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों की तादात में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान करीब 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा विशाल राष्ट्रीय ध्वज को शहर के मुख्य मार्गों से निकाला गया। हम भारती वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष अनवर मुल्ला ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस देश के सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं। स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने और बच्चों को उनके बलिदान के बारे में समझाने के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

एनसीएएचपी तीन साल बाद भी लागू नहीं......केंद्र और राज्यों पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल से जुड़ी सेवाओं पर नियंत्रण संबंधी कानून बनने के तीन साल बाद भी लागू नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर भी सवाल उठाए कि केंद्र ने करीब एक साल पहले नोटिस के बावजूद जवाब तक पेश नहीं किया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा वृत्ति आयोग अधिनियम, 2021 (एनसीएएचपी) के प्रावधानों को 12 अक्टूबर तक लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाएं। संसद में 2021 में पारित इस कानून से मेडिकल एवं

रेडियोलोजी लैब, फिजियोथैरेपी, पोषण विज्ञान जैसी शिक्षा एवं सेवाओं को रेगुलेट किया जाना है।

कानून को लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के संस्थान बढ़ते जा रहे हैं जो और इनके बेतहाशा प्रसार को रोकने के लिए कानून लाया गया है। तीन साल बाद भी कानून लागू नहीं कर केंद्र और राज्य अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे हैं। केवल 14 राज्यों ने काउंसिलों का गठन किया है लेकिन वे भी निष्क्रिय हैं। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी ने जवाब के लिए समय मांगा, तब सीजेआई ने नाराजगी जाहिर कर कहा नोटिस सितंबर 2023 में जारी किया गया था, आपने अब तक क्या किया?

हम दूसरे के चुनावों पर टिप्पणी नहीं करते हैं, दूसरा भी हम पर न करे

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। **(एजेंसी)**

विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिकी चुनाव को लेकर दिल्ली में एक कार्यक्रम में उनसे सवाल पूछा कि इस साल के अंत में अमेरिका में भी चुनाव होने हैं, इस पर भारत की क्या प्रतिक्रिया है? विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत में तो ऐसे चुनाव हर साल होता है। हम लगातार इसका आयोजन करते हैं। हमारे यहां अभी हाल में ही चुनाव हुआ। जहां तक अमेरिका की बात है तो हम दूसरे के चुनाव पर कोई टिप्पणी नहीं करते हैं और हम ये उम्मीद करते हैं कोई दूसरा भी हमपर टिप्पणी न करे। जयशंकर ने कहा कि हमारे देश में चुनाव को पसंद किया जाता है। हमारे चुनाव में वास्तव में उम्मीदवार, जनता और सिस्टम का टेस्ट होता है। उन्होंने कहा कि हम लगातार उस परीक्षा में पास होते हैं। इस तरह से देखेंगे तो ये ऐसा देश हैं जहां के लोग पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक प्रक्रिया का समर्थन करते हैं। इसी दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका को खरी-खोटी सुनाई। दरअसल, उनका इशारा आम चुनाव में अमेरिकी टिप्पणियों की तरफ था। भारत में आम चुनाव के दौरान अमेरिका ने धार्मिक मुद्दे को लेकर खूब बयानबाजी की थी । अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि वह सभी धार्मिक समुदाय के सदस्यों के लिए समान व्यवहार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले पर भारत समेत दुनिया भर के देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में चुनावों का फैसला वहां का सिस्टम और जनता करती है। यही प्रक्रिया है। आप पिछले 20 साल ये उससे ज्यादा वक्त से देख सकते हैं कि हमारे रिश्ते उनके साथ अच्छे रहे हैं। वहां कोई भी राष्ट्रपति चुने जाएं हमारे वैसे ही रिश्ते रहेंगे।

2036 में भारत की आबादी 152 करोड़ होगी

सेक्स रेशो बढक़र 952 हो जाएगा, अनुमान- 15 से कम उम्र वालों की संख्या में गिरावट

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत की जनसंख्या साल 2036 में 152.2 करोड़ तक हो सकती है। इसको लेकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि सेक्स रेशो 2036 तक प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद है। 2011 की जनगणना में यह आंकड़ा 943 था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जनसंख्या में महिलाओं के प्रतिशत में भी थोड़ा-बहुत सुधार देखने को मिल सकता है। साल 2036 में महिलाओं का प्रतिशत बढक़र 48.8 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2011 में यह 48.5 प्रतिशत था। फर्टिलिटी रेट में गिरावट के चलते 15 साल से कम उम्र के लोगों का रेशो साल 2011 के मुकाबले साल 2036 में घटने का अनुमान है। इस दौरान 60 साल और उससे ज्यादा उम्र की जनसंख्या का रेशो में काफी तेजी से बढ़ेगा।

भारत की जनसंख्या 77 साल में दोगुनी हुई

यूनाइटेड नेशन्स की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड ने अप्रैल 2024 में एक रिपोर्ट में दावा किया कि भारत की जनसंख्या पिछले 77 सालों में दोगुनी हो चुकी है। यह 144.17 करोड़ पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2006-2023 के बीच 23त्न बाल विवाह हुए हैं। साथ ही डिलीवरी के समय होने वाली महिलाओं की मौतों की संख्या में कमी आई है। भारत ने इस साल के शुरुआत में सबसे ज्यादा 142.5 करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था। 2011 की जनगणना के मुताबिक, देश की कुल आबादी 121 करोड़ दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल आबादी का 24 प्रतिशत हिस्सा 0-14 साल के लोगों का है। 15-64 साल की संख्या सबसे ज्यादा 64 प्रतिशत है।

दुनिया की आबादी 8 अरब के पार

1 जनवरी 2024 से दुनिया की आबादी 8 अरब को पार कर गई। 1 जनवरी 2023 ये आंकड़ा 7.94 अरब था। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो ने एक रिपोर्ट में ये दावा किया। इसके मुताबिक, पिछले 2023 में दुनिया की जनसंख्या में करीब 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर सेकेंड 4.3 लोग जन्म लेते हैं, जबकि 1 सेकेंड में 2 लोगों की मौत होती है।

वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, 15वें आम चुनाव (1विनोद उपाध्याय / 13 अगस्त, 2024) तक 60 प्रतिशत से भी कम महिला मतदाताओं ने हिस्सा लिया। वहीं, उस समय पुरुषों का मतदान प्रतिशत महिलाओं से 8 प्रतिशत प्रतिशत ज्यादा था। हालांकि, इसके 15 साल बाद 2014 में वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी बढक़र 65.6 प्रतिशत हो गई। 2019 में यह आंकड़ा बढक़र 67.2 प्रतिशत हो गया।

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है।

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान ह्यनिशान इजुद्दीनह्न से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरूआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

©MINIVAN NEWS

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरूआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही ह्यइंडिया आउटह्न का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा। लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था।

भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है, आर्थिक एवं सामरिक दोनों ही दृष्टि से भारत अपने पडोसी देशों में सशक्त एवं ताकतवर है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

संपादकीय

उचित नहीं ढिलाई

अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिड़नबर्ग ने कहा है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड.(सेबी) की प्रमुख माधवी पुरी बुच पर अदाणी समूह से जुड़े.विदेशी कोष में हिस्सेदारी होने के आरोप के चलते देश में उबाल है। उन पर जो भी आरोप रिपोर्ट में लगाए गए हैं, माधवी ने इन्हें आधारहीन व चरित्र हनन का प्रयास बताया है। हिंड़नबर्ग ने अपने जवाब में कहा कि बुच के जवाब से पुष्टि होती है कि उनका निवेश बरमुड़ा/मारीशस के फंड़ में था। आरोप है कि गौतम अदाणी का भाई विनोद इन फंड्स के जरिए शेयरों की कीमत बढ़ाता था। इसे हितों के टकराव का बड़ा मामला माना जा रहा है। बुच व उनके पति धवल बुच ने संयुक्त बयान जारी कर इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए अपना जीवन व वित्तीय स्थिति को खुली किताब बताया है। सेबी ने स्पष्टीकरण दिया है कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। जनवरी 2023 में हिंड़नबर्ग ने अदाणी समूह पर शेयर मैनूपुलेशन समेत मनी लॉड्रिंग के आरोप लगाया थे, जिसे सेबी व सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच कर आरापों को खारिज कर दिया। सेबी ने उल्टा नोटिस भेजकर नियमों के उल्लंघन पर जवाब मांगा। इस पर हिंड़नबर्ग ने सेबी पर धोखेबाजों को बचाने की बात की। सवाल यह है कि बुच जिन कंपनियों से मुक्त होने का दावा कर रही हैं, उनमें उनकी 99 फीसद की हिस्सेदारी अभी है। यही नहीं अपने कार्यकाल के दरम्यान वह सिंगापुर यूनिट की सौ फीसद की हिस्सेदार भी रहीं। जिसे बाद में पति के नाम स्थांतरित कर दिया। उस यूनिट से उनको होने वाले लाभ का खुलासा अब तक नहीं हो सका है। बुच दंपति की नेटवर्थ बहरहाल दस मिलियन ड़ॉलर आंकी गई है। अदाणी समूह द्वारा स्पष्टीकरण दिया गया है कि बुच से उनके कोई कारोबारी रिश्ते नहीं हैं। उन्होंने अपने विदेशी होल्डिंग स्ट्रक्चर को पूरी तरह पारदर्शी बताया। इधर विपक्षी दलों ने इस विवाद के चलते केंद्र सरकार पर करारा प्रहार किया है। इसे नियामक की शुचिता के खिलवाड़.और मुनाफाखोरों को प्रश्रय देने वाला साबित किया जा रहा है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करते हुए यह स्पष्ट करना चाहिए कि इसमें किसी तरह की ढ़िलाई नहीं हुई है। दूसरे जब तक जांच पूरी तरह नहीं हो जाती, तब तक सेबी प्रमुख को नियामक की गतिविधियों से पृथक रखा जाए। यह मसला बेहद गंभीर है, देश की प्रतिष्ठा और शेयरधारकों के विश्वास को किसी तरह की चोट नहीं पहुंचनी चाहिए।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

अखंड भारत स्मृति दिवस पर विशेष : अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड? का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

क्या यही था शहीदों के सपनों का सशक्त भारत?

निमिषा सिंह

भारत लगभग 400 वर्षों तक विदेशियों का गुलाम रहा। यहां फ्रांसिसी आए, अपनी कालोनियां बसाई फिर पुर्तगाली आए। व्यापार करने के बहाने अंग्रेज भी भारत में दाखिल हुए। 1757 ई में प्लासी विजय के बाद अंग्रेजों का भारत पर पूरी तरह राजनीतिक अधिकार हो गया। तकरीबन दो सौ वर्षो के कठिन संघर्षों और असंख्य बलिदानों के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। आजादी के लिए हमारे अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का त्याग किया और इन्हीं लोगों के कारण हम आज स्वतंत्र देश में रहने का आनंद ले रहे हैं। क्या महिला, क्या पुरुष यहां तक कि छोटे छोटे बच्चे जाति धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर आजादी की लड़ाई में शामिल हुए। सबने सम्मालित रूप से स्वतंत्र भारत का एक महास्वप्न देखा था। उनके लिए आजादी का मतलब था कि भारत एक ऐसा देश होगा जहां सच्चे अर्थों में समानता की आजादी होगी। कोई किसी पर शासन नहीं करेगा। सभी के लिए निष्पक्ष और समान अवसर होंगे। हालांकि हमारे संविधान ने लोगों के इन सपनों को साकार करने और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने की नींव रखी बाबजूद इसके आजादी के 76 वर्ष बाद भी आज जब भारत में लोग गरीबी में मर रहे हों, जातिवाद और पितृसत्ता की बेड़ियाँ अभी भी हमारे समाज को गुलाम बनाए हुए हों, तब आजादी का जश्न अधूरा और निरर्थक लगता है। क्या यही वह सामूहिक सपना था जो हमारे पूर्वजों ने देखा था। मेरे दादाजी जिन्होंने स्वयं आजादी की लड़ाई में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी बताते थे कि आजादी की लड़ाई सभी के लिए समान समानता प्राप्त करने के लिए लड़ा गया था पर आज स्वतंत्र भारत की वास्तविकता तो कुछ और ही बयां कर रही है। आजादी प्राप्त करने के पीछे उद्देश्य था कि देश के संसाधनों पर सबों का समान हिस्सेदारी और अधिकार हो। दुर्भाग्य है कि आज भारत गरीबों का एक अमीर देश बन कर रह गया है। देश की संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों का अधिकार है। आर्थिक असमानता दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है। भारत के केवल 1% लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 59% हिस्सा है जबकि 70% लोगों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का केवल 7% हिस्सा ही है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं और गरीब दो जुन की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है और विषम परिस्थितियों में तो आत्महत्या तक करने को मजबूर हो रहा है। निश्चित तौर पर आजादी का जश्न मनाते हुए हमारा सिर फक्र से ऊंचा रहेगा लेकिन साथ ही हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि असंख्य बलिदानों के बाद मिली यह आजादी आजाद भारत के लोगों को समर्पित थी। आज फिर आवश्यक है कि प्रत्येक भारतवासी स्वाधीनता के भाव के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ी कर्तव्य की पुकार को भी सुनें। क्षेत्रीय घरौंदो से ऊपर उठकर स्वयं को केवल भारतीय होने की पहचान दें।

कभी कभी मै अपनी और मुझ जैसी अनगिनत बहनों की आजादी के विषय मे सोचती हूं तो एक सवाल अक्सर जहन में आता है कि एक महिला होने के नाते क्या मैं अपने स्वतंत्र देश मे न्यूनतम स्वतंत्र होने के भ्रम का आनंद नहीं ले सकती हूं? हालांकि कानूनी तौर पर में स्वतंत्र हूं। हमें बताया गया है कि हमारे संविधान ने गुलामी की प्रथा को समाप्त कर दिया है लेकिन क्या हम महिलाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? हमे वोट देने का अधिकार प्राप्त है। हम भी अपनी पसंद का काम करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन साथ ही हमे यह भी सिखाया जाता है कि पितृसत्ता की सीमाओं का उल्लंघन हमे कतई नहीं करना है अन्यथा समाज हमे एक ऐसे जीवन में जकड़ने के लिए मौजूद है जहां हमे अपने जीवन से संबंधित निर्णय लेने की कोई स्वतंत्रता नहीं होगी। एक महिला के जीवन की प्रत्येक पसंद पुरुषों द्वारा तय की जाती है - महिलाएं क्या पहनेंगी। वह घर से बाहर कब जाएंगी। वह किससे बात करेंगी। किससे प्यार करेंगी। एक आजाद देश में आखिर ऐसा क्यों? यदि हम महिलाएं पितृसत्ता और उसे गुलाम बनाने वाली सांस्कृतिक परंपराओं की बेड़ियों को तोड़कर रात में बाहर निकलती है तो सभी परिणामों के लिए हमे ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। फिर भी हम कैसे मान लेते है कि महिलाएं संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का आनंद ले रही हैं। लेकिन इस स्थिति के बावजूद हमारी आजादी के कुछ मायने हैं। यह मेरी स्वतंत्रता है जो सुनिश्चित करती है कि मैं यहां लिखने, अपनी राय और अपनी असहमति को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में सक्षम हूं।

समाज में सभी वर्गों की समानता भी स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। मौजूदा भारत के लिए यह कभी सच न होने वाला सपना जैसा प्रतीत होता है।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में दिए गए अपने एक भाषण में महात्मा गांधी ने कहा था मैंने जिस लोकतंत्र की कल्पना की है उसकी स्थापना अहिंसा से होगी। उसमें सभी को समान स्वतंत्रता मिलेगी। हर व्यक्ति खुद का मालिक होगा। इस तरह के लोकतंत्र के संघर्ष के लिए मैं आपका आमंत्रित करता हूं। बापू के हरि का जन हरिजन या दलित आज भी इतने सालों बाद भी अपनी जाति के गुलामी के बेड़ियों से जकड़े हुए हैं। संवैधानिक तौर पर तो उन्हें समानता दे दी गई लेकिन सामाजिक तौर पर वे आज भी असमान हैं। उनकी पहचान एक इंसान की नहीं है बल्कि उनकी जाति उनकी प्राथमिक पहचान की भूमिका निभाती है। विभिन्न सामाजिक प्रतिबंधों के तहत उन्हें दूसरी जाति में प्यार करने और अपना जीवन साथी ढूंढने की आजादी नही। स्वतंत्र भारत के हमारे जाति-ग्रस्त समाज में दलित आज भी स्वतंत्र नहीं हैं। दलित या आदिवासी के लिए चीजें तब तक सामान्य प्रतीत होती हैं जब तक वह उच्च जाति के मानदंडों का पालन करता है। लेकिन अगर कभी वह यह सोचकर सामंती समाज के मानदंडों को चुनौती देते हैं कि वे स्वतंत्र भारत में रह रहे हैं तो उन्हें और उनकी आवाज को कुचलने का भरसक प्रयास किया जाता है। हो सकता है कि उन्हें रोहित वेमुला की तरह हिंसा की सजा दे दिया जाए या पीट-पीट कर मार डाला जाए।विडम्बना यह है कि दलित असमंजस में हैं कि वे क्या करें? जाहिर है देशभक्ति का कोई एक पैमाना नहीं होता ' लोगों को अपने तरीके से देश के प्रति स्नेह प्रकट करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। लोकतंत्र में ना कोई राजा होता है ना कोई प्रजा बल्कि जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं। विरोध करना और अपनी बात रखना लोकतंत्र में मौलिक अधिकार बनता है। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि धरने प्रदर्शन का अंदाज ही किसी भी लोकतंत्र को जिंदा रखने में दवा का काम करती हैं।किसान आन्दोल हो या महिला पहलवानों का धरना। दोनो ही मामलों में कहा गया कि ये आन्दोलन नहीं है बल्कि सरकार को हटाने की देशविरोधी साजिश है। हालाँकि उनकी अपनी कुछ मांगे थी और जैसे ही सरकारी आश्वासन मिला धरना समाप्त भी हो गया। किसी को इस आधार पर देशद्रोही नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि उसके विचार सरकार की नीतियों के अनुरूप नहीं हैं। अगर लोकतान्त्रिक तरीके से चुनी गयी किसी सरकार से सवाल पूछना या उसकी नीति के विरुद्ध आन्दोलन करना देश विरोध है तो यकीन मानिए आजादी के 76 वर्ष बाद भी हम गुलाम ही है। यदि देश सकारात्मक आलोचना के लिए तैयार नहीं है तो आजादी से पहले और बाद के युग में क्या अंतर रह जाता है।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजनेस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिंन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्किंयोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्किंयोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्किंयोलॉजी, जिओ आर्किंयोलॉजी, आर्किंयोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्किंयोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्किंयोलॉजी, आर्किंयोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्किंयोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्किंयोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्किंयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्किंयोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

वनडे रैंकिंग में रोहित शर्मा और कुलदीप यादव को बड़ा फायदा, टीम इंडिया नंबर-1 पर काबिज

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन मैचों की वनडे सीरीज संपन्न हुई। भारतीय टीम ने 27 साल बाद श्रीलंका के हाथों द्विपक्षीय वनडे सीरीज गंवाई। श्रीलंका ने अपने घर में टीम इंडिया को तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से मात दी। हालांकि, भारतीय टीम का वनडे टीम रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, टीम अभी भी टॉप पर काबिज है।

वहीं श्रीलंका दौरे पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को बेहतर बल्लेबाजी का फायदा मिला जबकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ। भारतीय टीम के बाएं हाथ के गेंदबाज कुलदीप यादव ने आईसीसी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान की लंबी छलांग लगाई है।

दूसरी तरफ आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग पर ध्यान दें तो पाकिस्तान के बाबर आजम नंबर 1 पर हैं। भारत के ओपनर शुभमन गिल 782 अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक स्थान के फायदे के साथ तीसरे नंबर पर पहुंचे। हिटमैन के 763 अंक हैं।

आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम टॉप पर काबिज है। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम के अंक 118 है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 116 अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज है। दक्षिण अफ्रीका के 112 अंक है और वह तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान 106 अंक के साथ चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड की टीम टॉप-5 रैंकिंग को पूरा करती है।

वंदना ठाकुर ने इंडोनेशिया चैम्पियनशिप में जीता सिल्वर, एशियन चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालिफाई

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की बेटी और मशहूर महिला बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर ने इंडोनेशिया के बाटम में आयोजित 56वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वंदना ने 15वीं विश्व बॉडीबिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है जिसका आयोजन इसी वर्ष नवंबर माह में मालदीव में होने वाला है। वंदना की यह सफलता न सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि भारतीय बॉडी बिल्डिंग के क्षेत्र को भी नए मुकाम पर ले जाने में भी अभूतपूर्व योगदान दे रही है।

56वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 प्रतियोगिता इंडोनेशिया के बाटम में स्थित रियाउ आइलैंड में 6 से 12 अगस्त, 2024 तक आयोजित की गई थी जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए कुल 50 श्रेणियां थीं। वंदना ने वरिष्ठ महिला बॉडीबिल्डिंग 55 किलोग्राम से अधिक की श्रेणी में भाग लिया जहां उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया और सिल्वर मेडल लेकर ही देश वापस लौटीं।

अपनी इस उपलब्धि पर वंदना ठाकुर ने कहा, 'यह मेरे लिए सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं थी, बल्कि एक जुनून था जो मेरे भीतर मेरे देश के हमेशा बना रहेगा। सिल्वर मेडल जीतना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और अब मेरा एक ही लक्ष्य है, एशियन चैम्पियनशिप में देश के लिए गोल्ड लेकर आना। इंडोनेशिया चैंपियनशिप ट्रायल रही, अब एशियन चैम्पियनशिप में रियल की बारी है। गोल्ड लाने के लिए मैं और भी कठिन मेहनत करुंगी ताकि मैं अपने देश का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी अधिक ऊँचाइयों पर ले जा सकूं।'

ईशान किशन को मिली झारखंड टीम की कप्तानी, इस टूर्नामेंट से लाल गेंद क्रिकेट में करेंगे वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट में लाल गेंद से वापसी करेंगे और 15 अगस्त से तमिलनाडु में शुरू होने वाले प्री-सीजन लाल गेंद प्रतियोगिता में झारखंड की कप्तानी करेंगे। झारखंड की मूल लंबी सूची का हिस्सा नहीं रहे किशन ने भाग लेने का फैसला किया और जब उन्होंने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ को इस बारे में बताया तो उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार वह बुधवार को चेन्नई में टीम से जुड़ेंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि किशन की रणजी ट्रॉफी में वापसी 2024-25 सत्र के दौरान भी होने की उम्मीद है क्योंकि उन्होंने राज्य चयनकर्ताओं को अपनी वापसी की इच्छा से अवगत कराया है। उनका आखिरी घरेलू प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में था। वह 2023-24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और यह उनके लिए महंगा साबित हुआ क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के कारण केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया गया।

एक JSCA अधिकारी के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, 'इशान के साथ, यह कभी भी क्षमता के बारे में नहीं था। यह केवल इस बारे में था कि क्या वह वापसी के लिए तैयार है। निर्णय उसके पास था। जब उसे प्रारंभिक सूची में शामिल नहीं किया गया था, तो यह केवल इसलिए था क्योंकि हमने उससे नहीं सुना था। जिस क्षण उसने वापसी की इच्छा व्यक्त की, उसे शामिल कर लिया गया।'

26 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान चोटिल ऋषभ पंत की जगह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। उनका अंतिम प्रथम श्रेणी मैच उस दौरे का दूसरा टेस्ट था। हालांकि दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए चुने जाने के बावजूद उन्होंने मानसिक थकान के कारण बाहर होने का विकल्प चुना। किशन ने 2023 में दो टेस्ट, 17 वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं। वह 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के दौरान भारतीय टीम का भी हिस्सा थे और शुभमन गिल के बीमार होने पर शीर्ष क्रम में दो मैचों में शामिल थे।

बुची बाबू टूर्नामेंट पिछले साल छह साल के अंतराल के बाद फिर शुरू किया किया गया। इसमें रणजी ट्रॉफी के लीग चरणों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के समान चार दिवसीय रेड-बॉल प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। यह आगामी 2024/25 घरेलू सत्र से पहले 12 प्रतिभागी टीमों के लिए महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में कार्य करता है।

बांग्लादेश के खिलाफ टीम को जीतनी होगी टेस्ट सीरीज... वरना छिन जाएगी बादशाहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम एक महीने आराम के बाद एक्शन में दिखेगी। श्रीलंका दौरे से लौटने के बाद टीम इंडिया अब अगले माह सितंबर में बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज में भिड़ेगी। सीरीज का आयोजन भारत में होगा। दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी। डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर है, जबकि दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। टॉप स्थान को बचाए रखने के लिए भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज हर हाल में जीतनी होगी। इस सीरीज में खराब प्रदर्शन टीम इंडिया को नंबर वन से दूसरे नंबर पर गिरा सकता है।

भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले साउथ अफ्रीका का सामना वेस्टइंडीज से हो रहा है। वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच भी टेस्ट सीरीज होनी है, जबकि श्रीलंका का मुकाबला इंग्लैंड से होने वाला है। लेकिन इन तीनों सीरीज के रिजल्ट का भारत के डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में कोई असर नहीं होने वाला है। लेकिन भारतीय टीम अगर दोनों टेस्ट ड्रॉ कराती है, तब फिर वह टॉप स्थान खो देगी। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर होगा। वहीं एक टेस्ट जीतने पर भी भारत अपना नंबर वन की कुर्सी बचा लेगा। हालांकि भारतीय टीम अपने घर में खेल रही है।

इसके बाद में मेजबान टीम मेहमानों को 2-0 से हराने में सक्षम है। टीम इंडिया अगर बांग्लादेश के खिलाफ दोनों टेस्ट गंवा देती है, तब फिर वह डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर खिसक जाएगी। इसके अलावा ड्रॉ की स्थिति में भी मेजबान भारत को खतरा है। टीम इंडिया दोनों टेस्ट जीतकर टॉप पर बना रहेगा, वहीं एक जीत और एक ड्रॉ के साथ भी वह पहले पायदान पर कायम रहेगी। भारत ने 9 टेस्ट मैच खेले और 6 जीते हैं। 2 टेस्ट में टीम इंडिया को हार मिली है, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। 68.51 पीसीटी के साथ भारत पहले नंबर पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 62.50 पीसीटी के साथ दूसरे नंबर पर है। कंगारू टीम ने 12 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से 8 जीते है, जबकि 3 हारे हैं। उसका एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है जिसके 50.00 पीसीटी हैं। कीवी टीम ने 6 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे तीन में जीत मिली है, जबकि इतने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

भविष्य में अधिक से अधिक ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं : मनु

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है वह भविष्य में होने वाले ओलंपिक खेलों में ज्यादा से ज्यादा पदक जीतना चाहेंगी। मुन ने कहा कि वह इसके लिए अपनी ओर से पूरे प्रयास करेंगी। मनु ने ओलंपिक समापन समारोह से लौटने के बाद कहा, '' मैं भविष्य में भारत के लिये और ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं।'' मनु समापन समारोह में स्टार हॉकी गोलकीपर पी आर श्रीजेश के साथ भारत की संयुक्त ध्वजवाहक थीं। उन्होंने कहा, ''यह जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव था और इसके लिए मैं आभारी हूं और इसे हमेशा याद रखूंगी।'' उन्होंने कहा, '' श्रीजेश भैया को मैं बचपन से जानती हूं। वह काफी सरल स्वभाव के होने के साथ ही मददगार और विनम्र हैं। उन्होंने समापन समारोह में मेरा काम बहुत आसान कर दिया था।'' वहीं मनु की मां सुमेधा भाकर ने कहा, '' मैं उसके लिये बहुत खुश हूं। मैं पेरिस में हॉकी टीम, अमन सेहरावत, नीरज चोपड़ा से मिली। उम्मीद है कि ये खिलाड़ी और पदक जीतकर भविष्य में अपनी मां और देश का गौरव बढ़ाऐंगे।''

भारतीय टीम विश्व हॉकी रैंकिंग में पांचवें स्थान पहुंची, नीदरलैंड पहले स्थान पर पहुंची

लुसाने। भारतीय हॉकी विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक मिलने से रैंकिंग में लाभ हुआ है। पेरिस ओलंपिक के बाद जारी नई विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को दो स्थान का लाभ हुआ है जबकि पहले वह सातवें स्थान पर थी। वहीं एफआईएच प्रो लीग के समाप्त होन के बाद भारत को सातवां स्थान मिला था क्योंकि उसका अभियान अच्छा नहीं रहा था। भारत ने पेरिस ओलंपिक के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और उसे केवल 2 मैच में ही हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने 5 मैच जीते। इससे उसे 2848.67 अंक मिले और वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर 5वें स्थान पर पहुंच गया।

पुरुषों की विश्व रैंकिंग में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड 3168 अंक के साथ ही रैंकिंग में पहले नंबर पर है। वहीं जर्मनी ने 3035 अंक लेकर अच्छा प्रदर्शन किया और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं इंग्लैंड 2973, बेल्जियम 2959 और भारत 2849 अंक लेकर शीर्ष 5 स्थानों पर हैं। जर्मनी के दूसरे नंबर पर पहुंचने से इंग्लैंड भी अपनी ओलंपिक-पूर्व रैंकिंग से एक स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि भारत ओलंपिक में लगातार दूसरे कांस्य पदक के बाद अंतर को पाटते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-5 में पहुंच गया है।

2024 में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल ने मारे

नई दिल्ली (ईएमएस)। हम आपको आज 2024 में अभी तक इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज के बारे में बताते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में 2024 में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल ने मारे हैं। 14 मैच की 19 पारियों में यशस्वी के बल्ले से 42 छक्के निकले हैं। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्हें भारत के लिए एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। छक्कों के रिकॉर्ड में रोहित शर्मा का नाम नहीं हो, ऐसे नहीं हो सकता। रोहित ने इस साल अभी तक 25 पारियों में बल्लेबाजी की है। भारतीय कप्तान ने इस दौरान 38 छक्के मारे हैं। उन्होंने 45 की औसत से 2024 में 990 रन बनाए हैं। हॉन्गकॉन्ग के बाबर हयात का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। उन्होंने 2024 में सिर्फ 15 पारियों में बैटिंग की है। इस दौरान 417 रन बनाए हैं। इन रनों में 216 सिर्फ छक्के से आए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ 15 ही चौके निकले। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस साल कमाल की बैटिंग की है। अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल तक ले जाने में उनका अहम योगदान था। 25 पारियों में गुरबाज अभी तक 36 छक्के मार चुके हैं। क्रिकेट में आपने शायद पहले कभी केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग का नाम सुना भी नहीं होगा। केंडल जापान के लिए खेलते हैं। अभी तक 2024 में उन्होंने 12 मैच केले हैं और 159 की स्ट्राइक रेट और 48 की औसत से 529 रन ठोक चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 34 छक्के जड़े हैं। बता दें कि टी20 आने के बाद क्रिकेट का खेल काफी तेजी से बदला है। बल्लेबाज आक्रामक होते जा रहे हैं। गेंदबाज भी बचने के नए नए तरीके लेकर आते हैं। हालांकि इसके बाद भी ज्यादा पिच बल्लेबाजों को ही मदद देती है। जब पिच में गेंदबाजों के लिए ज्यादा मदद होती है तो उनकी क्वालिटी खराब बता दी जाती है। यही वजह है कि आज टेस्ट क्रिकेट में भी खूब छक्के चौके देखने को मिलते हैं।

हरमनप्रीत एंड कंपनी के पास लॉस एंजिल्स में स्वर्ण पदक जीतने के लिए मजबूत आधार: माइक हॉर्न

कोलकाता (एजेंसी)। दुनिया के मशहूर 'एंडवेंचरर' माइक हॉर्न का मानना है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीतने के बाद अपनी मजबूत नींव का प्रदर्शन किया जिसे देखते हुए चार साल बाद लॉस एंजिल्स में उनमें स्वर्ण जीतने की क्षमता है। स्विट्जरलैंड के 'मोटिवेशनल कोच' के तीन दिवसीय मानसिक दृढ़ता वाले 'बूट शिविर' ने हरमनप्रीत एंड कंपनी को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने में मदद की और वे अपने सहज क्षेत्र से बाहर आकर मजबूती से एकजुट होने में सफल रहे।

हॉर्न कहा, 'भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता है, वह उनके समर्पण का प्रतिबिंब है और मेरा मानना है कि उन्होंने भविष्य की सफलता के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है जिसमें अगले ओलंपिक में स्वर्ण जीतने की संभावना भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'टीम का प्रदर्शन असाधारण था और टीम स्वर्ण पदक जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार कौशल, रणनीति और मानसिक दृढ़ता दिखाई।'

हॉर्न ने कहा, 'हालांकि वे स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाए। लेकिन यह तथ्य है कि वे इसके इतने करीब थे जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।' उन्होंने कहा, 'यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि पदक जीतना और वो भी ओलंपिक में, एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।' हॉर्न को उनके महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली 2011 विश्व कप विजेता भारतीय टीम, 2014 में इंडियन प्रीमियर लीग विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडर्स और जर्मनी की 2014 फुटबॉल चैम्पियन टीम के साथ काम के लिए भी जाना जाता है।

भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना अभियान न्यूजीलैंड पर जीत से शुरू किया और धीरे धीरे लय हासिल की। ग्रुप चरण में भारत की सबसे बड़ी जीत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रही जिसे टीम ने 52 साल बाद शिकस्त दी। टीम की एकजुटता और मानसिक मजबूती ब्रिटेन के खिलाफ शूटआउट में जीत के दौरान दिखी जबकि दूसरे क्वार्टर के शुरू से ही टीम 10 खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी। हॉर्न (58 वर्ष) ने कहा, 'मैंने पेरिस 2024 में उनका सफर बहुत करीब से देखा और मैं उनकी सहनशीलता और उन्होंने दबाव का किस तरह से सामना किया, उससे काफी प्रभावित हुआ। उनकी इस यात्रा में छोटी सी भूमिका निभाना सम्मान की बात है।'

भारत को लगा बड़ा झटका, टोक्यो में बैडमिंटन में गोल्ड दिलाने वाले प्रमोद भगत हुए सस्पेंड

मुम्बई। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने घोषणा की है कि भारत को टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड मेडल दिलाने वाले प्रमोद भगत को डोपिंग संबंधी नियमों के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। वह पेरिस पैरालंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे। पेरिस में पैरालंपिक 28 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगा। डब्ल्यूएफ ने बयान देते हुए कहा कि, टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। वह पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हिस्सा नहीं लेंगे। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने भगत को 12 महीनों के भीतर तीन बार पता न बता पाने का दोषी पाया। बयान में आगे कहा है कि, 1 मार्च 2024 को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ऑफ स्पोर्ट एंटी डोपिंग डिवीजन ने भगत को 12 महीनों के भीतर तीन बार ठिकाने की जानकारी न देने के लिए बीडब्ल्यूएफ एंटी डोपिंग नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया। वहीं अपील के बावजूद सीएएस अपील डिवीजन ने निलंबन की पुष्टि करते हुए निर्णय को बरकरार रखा। एसएल 3 एथलीट भगत पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे। 29 जुलाई 2024 को सीएएस अपील डिवीजन ने भगत की अपील को खारिज कर दिया। 1 मार्च 2024 के सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन के फैसले की पुष्टी की। उनकी अयोग्यता की अवधि अब प्रभावी है।

रवि अश्विन बोले- सुरक्षात्मक रवैया अपनाने की जगह असफल होना पसंद करूंगा

नई दिल्ली - इंजीनियर, क्रिकेटर, लोकप्रिय यूट्यूबर और अब एक लेखक भी, एक बार में कई चीजों को आसानी से प्रबंधित करने वाले भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि जीवन हो या क्रिकेट वह अति सुरक्षात्मक रवैया अपनाने की जगह असफल होना पसंद करेंगे। इस 37 साल के खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे चतुर दिमाग वाले क्रिकेट के तौर पर जाना जाता है। टेस्ट में 516 विकेट लेने वाले इस खिलाड़ी की बातों और विचारों को क्रिकेट जगत में काफी तवज्जो दी जाती है। वह इस समय अपनी पुस्तक 'आई हैव द स्ट्रीट्स- ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस किताब के सह-लेखक सिद्धार्थ मोंगा है और इसे पेंगुइन रैंडम हाउस ने प्रकाशित किया है। यह किताब में 2011 तक अश्विन के जीवन का विवरण उनके दिमाग की झलक देती है। अश्विन ने साक्षात्कार में कहा, 'मैं अपनी जिंदगी जी रहा हूं, बस यह इतना ही है। मैं 'ए', 'बी' या 'सी' (किसी लक्ष्य) को पूरा करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं मौजूदा समय में रहना पसंद करता हूं। मैं आम तौर पर एक रचनात्मक व्यक्ति हूं और अगर मुझे लगता है कि मैं कुछ करना चाहता हूं, तो मैं आगे बढ़ूंगा और करूंगा। (चाहे यह) सही हो या गलत, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैं बाद में फैसला करना चाहूंगा।' अश्विन हालांकि हमेशा इस तरह से बेखौफ नहीं थे। बचपन में उनके अंदर असुरक्षा की भावना थी लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, वह इससे आगे निकलने में सफल रहे। उन्हें एहसास हुआ कि उनका डर उन्हें पंगु बना रहा था। अश्विन ने कहा कि इससे निपटने के बाद वह कुछ हद तक अडिग हो गए और यह एक क्रिकेटर के रूप में उनके विकास में कारगर रहा। इसने उन्हें एक बच्चे के रूप में चेन्नई की सड़कों पर कैरम बॉल फेंकने से लेकर भारत के प्रमुख स्पिनर के रूप में उनका कायापलट काफी मदद की।

अरशद नदीम को पुरस्कार में मिले एक करोड़ रुपए और कार, गाड़ी का नम्बर भी है स्पैशल

लाहौर। ओलंपिक भाला फेंक चैंपियन अरशद नदीम को हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के लिए पंजाब सरकार ने मंगलवार को एक करोड़ रुपये और एक नयी कार से पुरस्कृत किया। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज जब नदीम और उसके परिवार से मिलने मियां चुन्नू स्थित उसके गांव गयी तो उन्होंने नदीम को नकद पुरस्कार और कार की चाबियां भेंट की। उन्होंने कहा, 'अरशद हर उस चीज का हकदार है जो उसे मिल रहा है क्योंकि वह देश के लिए बहुत खुशी और गौरव लेकर आया है।' मुख्यमंत्री ने नदीम को जब 92.97 नंबर प्लेट वाली नई कार की चाबियां सौंपी तब वहां उनके माता-पिता भी मौजूद थे। नदीम ने 92.97 मीटर की ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ पेरिस में स्वर्ण पदक जीता था। मरियम नवाज के साथ आए 'डिप्टी कमिश्नर' ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर चेक और कार से जुड़ी कागजी कार्रवाई को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया क्योंकि वह नदीम से मिलना चाहती थी। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री ने विशेष नंबर प्लेट के लिए भी आदेश दिए थे।' लाहौर वापस जाने से पहले मरियम ने नदीम के कोच सलमान इकबाल बट को 50 लाख रुपये का चेक भी दिया। नदीम ने ओलंपिक में पाकिस्तान के स्वर्ण पदक के 40 साल के सूखे को खत्म किया था।

भारत को टेस्ट श्रृंखला में 3-1 से हरा सकता है ऑस्ट्रेलिया: रिकी पोंटिंग

पैरिस (एजेंसी)। दुबई - रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास साबित करने के लिए काफी कुछ होगा और उन्होंने कहा कि पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीत सकती है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों में टेस्ट श्रृंखला 2-1 के समान अंतर से जीती थी। वह अब 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम और मेजबान ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा।

पोंटिंग ने कहा, 'यह एक प्रतिस्पर्धी श्रृंखला होने जा रही है। यहां पिछली दो श्रृंखलाओं में जो कुछ हुआ उसे देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के पास अपनी धरती पर भारत के खिलाफ साबित करने के लिए काफी कुछ है।' उन्होंने कहा, 'हम फिर से पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेल रहे हैं जो इस श्रृंखला की दूसरी महत्वपूर्ण बात है। पिछले कुछ समय में हमने केवल चार टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली। इस बार पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को लेकर हर कोई उत्साहित है। मुझे नहीं पता कि इस श्रृंखला में कुछ मैच ड्रॉ होंगे या नहीं।'

पोंटिंग ने कहा, 'मैं निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया को जीत का हकदार कहूंगा। मैं कभी ऐसा नहीं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया जीत का हकदार नहीं है। कोई मैच ड्रॉ हो सकता है तो कोई खराब मौसम से प्रभावित हो सकता है इसलिए मैं कहूंगा कि आस्ट्रेलिया श्रृंखला 3-1 से जीतेगा।' भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 1991-92 में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली थी। तब भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। पोंटिंग ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद को भी भारतीय टीम में रखने की वकालत की। वह दिल्ली कैपिटल्स में खलील के कोच रहे चुके हैं। उन्होंने कहा, 'खलील अहमद जैसे खिलाड़ी को इस टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में होना चाहिए। वह हाल में जिंबॉब्वे में टी20 श्रृंखला खेल कर लौटा है। भारतीय टीम के लिए अपनी टेस्ट टीम में बाएं हाथ के किसी गेंदबाज को रखना आदर्श स्थिति होगी।%

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

मंगल पर पानी की मौजूदगी के मिले संकेत, जीवन गुजारना भी होगा संभव

वॉशिंगटन। नासा के इनसाइट्स लैंडर के नए सेस्मिक नए आकड़े जारी किए हैं इसमें बताया गया है कि मंगल की सतह के नीचे गहराई में पानी का एक विशाल भंडार हो सकता है। अध्ययनों में वाटर चैनल्स और लहरों के प्रमाण मिले हैं। यह साबित करते हैं कि प्राचीन काल में मंगल ग्रह पर नदियां और झीलें मौजूद थीं। इसके बावजूद ग्रह तीन अरब साल से एक रेगिस्तान रहा है। वजह, अपना वायुमंडल खोने के बाद इसका सारा पानी सूरज की भेंट चढ़ गया। यह पानी मंगल ग्रह पर जिंदगी के लिए बेहद अहम हो सकता है। प्रोफेसर मंगा ने कहा कि धरती का अधिकांश पानी जमीन के नीचे है। हमेशा इस बात की संभावना है कि मंगल ग्रह पर भी ऐसा ही हो सकता है, जिसे धरती का जुड़वां कहा जाता है। पानी के बिना जिंदगी का अस्तित्व संभव नहीं है। ऐसे में यह खोज इस बात का इशारा करती है कि जमीन के अंदर रहने लायक वातावरण हो सकता है। मंगल पर जलचक्र का अध्ययन करना इसकी जलवायु, बाहरी सतह और इसके अंदरूनी हिस्सों के विकास को समझने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। नासा के इनसाइट ने दिसंबर 2022 में अपना मिशन पूरा कर लिया, लेकिन लैंडर चार साल तक मंगल की सतह पर भूकंपीय तरंगों को रिकॉर्ड करना जारी रखेगा। लैंडर ने लगभग 1,319 भूकंप दर्ज किए हैं। इसके बाद भूकंपीय तरंगों की गति को मापकर, वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि जमीन के अंदर किस तरह की चीजें होने की संभावना है। इससे संबंधित खोज नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुई है। इसी तरह की तकनीक धरती पर पानी, गैस या तेल की संभावना जांचने के लिए इस्तेमाल की जाती है। गौरतलब है कि पूर्व में हुई स्टडी में मंगल ग्रह के ध्रुवों पर जमे हुए पानी और इसके वातावरण में जल वाष्प की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। लेकिन यह पहली बार है जब ग्रह पर तरल पानी पाया गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले के प्रोफेसर माइकल मंगा के मुताबिक किसी ग्रह के विकास को आकार देने में पानी की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि यह खोज एक बड़े सवाल का जवाब देती है कि मंगल ग्रह का सारा पानी कहां गया।

अमेरिका के दुश्मन देशों की ताकत बढ़ा रहा सनकी किम जोंग उन, ईरान को केमिकल हथियार और परमाणु सीक्रेट कर रहा सप्लाई

प्योंगयांग। ईरान की इजराइल को धमकी और अमेरिका का इजराइल के बचाव में युद्धपोत व विमान तैनात करना तनाव को बढ़ावा देने जैसा है। ऐसे में परमाणु हथियारों को लेकर उत्तर कोरिया, अमेरिका और पश्चिमी देशों के दुश्मनों की ताकत बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया ईरान और उसके प्रॉक्सी को हथियारों से लैस कर रहा है। उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों का कोई असर नहीं है। एक एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान को तेजी से हथियारों की सप्लाई इसलिए नहीं कर रहा क्योंकि वह इनका प्रोडक्शन ही तेजी से नहीं कर पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर जस्टिन हेस्टिंग्स ने कहा कि अगर ईरान हथियार खरीद रहा था तो उत्तर कोरिया उसे बेच रहा है। उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रतिबंध सिर्फ कागज पर दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि रूस और चीन अब सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के लिए यह कोई समस्या नहीं है कि अगर ईरान हथियारों को हिजबुल्ला और हूती विद्रोहियों को देता है। उत्तर कोरिया अपने दुश्मन देश अमेरिका और दक्षिण कोरिया के दुश्मनों को हथियार बेचकर मजबूत कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि इससे भी बड़ा कारण है कि उन्हें पैसों की जरूरत है। आप सोच सकते हैं कि ईरान उत्तर कोरिया से और ज्यादा धन लेने में दिलचस्पी रख सकता है।। उन्होंने कहा कि अब तस्करी की जगह उत्तर कोरिया के लिए सीधे व्यापार करना आसान हो रहा है। क्योंकि अब प्रतिबंधों का दबाव कम हो रहा है, जिस कारण वह व्यापार करने को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया अब सीधे चीन या रूस के जरिए से ईरान को हथियार भेज सकता है। कोई भी मूलरूप से इस पर ध्यान नहीं देगा कि वे यहां कैसे पहुंच रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्तर कोरिया की उत्पादन क्षमता ही उसे तेजी से हथियारों की सप्लाई में बाधा डाल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने 7 अक्टूबर के आतंकी हमले में उत्तर कोरिया की आरपीजी का इस्तेमाल किया था। इजरायल ने जिन हथियारों को हमास के ठिकानों से बरामद किया उसमें कोरियाई भाषा में लिखा हुआ था। संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के चलते उत्तर कोरिया पर हथियारों की बिक्री का प्रतिबंध है लेकिन दशकों से इसमें ईरान के साथ मिसाइल सीक्रेट्स का व्यापार किया है। इसके अलावा उत्तर कोरिया ने केमिकल हथियार के पुरजे और हथियारों को बनाने की तकनीक भी उपलब्ध कराई है।

अमेरिका के 15 राज्यों में हिंदुओं के लिए बनेंगे श्मशान घाट

न्यूयॉर्क । अमेरिका के 15 राज्यों में हिंदुओं के लिए अलग से श्मशान घाट बनाने की सहमति बन चुकी है। कोयना न्यू जर्सी विधानसभा ने विधेयक 4216 के पक्ष में अनुमति जारी की है। इस विधेयक के पास हो जाने के बाद राज्य में स्वतंत्र शवदाह ग्रहों की अनुमति मिल जाएगी। अभी अमेरिका में शवदाह ग्रह केवल कब्रिस्तान तक सीमित है। यह सभी कब्रिस्तान ईसाई समुदाय से जुड़े हुए हैं। हिंदुओं के लिए अभी जो श्मशान घाट हैं। उसमें हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अंत्येष्टि नहीं हो पाती है। न्यू जर्सी में सबसे ज्यादा हिंदू रहते हैं। डेमोक्रेटिक सरकार विधेयक पास करने जा रही है। जिसमें हर पार्टी का सहयोग है। अभी अमेरिका में लकड़ी से खुले में अग्नि संस्कार नहीं किया जा सकता है। अब पृथक व्यवस्था हो जाएगी। अमेरिका में अब अग्नि से भी दाह संस्कार किया जा सकेगा। हिंदू समुदाय को अब विभिन्न राज्यों में समुदाय ग्रह के लिए जमीन मिल गई है। जल्द ही श्मशान घाट 15 राज्यों में खुद हिंदुओं के होंगे।

सीरिया में भूकंप, रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई तीव्रता

दमिश्क । सोमवार की रात सीरिया के कई शहर भूकंप के तेज झटकों से हिल गए। भूकंप का केंद्र हामा शहर के पूर्व में 3.9 किलोमीटर की गहराई पर था। सीरिया के राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के मुताबिक रात 11-56 बजे देश के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। सबसे पहले देश के मध्य शहर हामा से 28 किमी पूर्व में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। रिपोर्ट के मुताबिक पहले आए भूकंप का केंद्र हामा से 21 किलोमीटर पूर्व में स्थित था। भूकंप की वजह से हुए नुकसान की रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की है। सीरियाई राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के प्रमुख राएद अहमद ने कहा कि ये भूकंप के झटके किसी बड़े भूकंप की बानगी हो सकते हैं, लोगों को सतर्क रहना चाहिए। इस बीच, हामा और दमिश्क में रहने वाले स्थानीय लोग संभावित भूकंप के खतरे की वजह से घर से बाहर रह रहे हैं। बता दें, इससे पहले 2023 में उत्तरी और पश्चिमी सीरिया में 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इस भूकंप की वजह से देश में काफी लोगों की मौत हुई थी।

दुकानदार की मौत....भारत में रह रही पूर्व पीएम हसीना पर मौत का केस दर्ज

ढाका । बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और छह अन्य के खिलाफ पिछले माह हुई हिंसक झड़पों के दौरान किराने की एक दुकान के मालिक की मौत को लेकर हत्या का मामला दर्ज हुआ है। पिछले सप्ताह इस्तीफा देकर भारत भागी हसीना (76) के खिलाफ दर्ज किया गया यह पहला मामला है। खबर के मुताबिक, किराने की दुकान मालिक अबू सईद के शुभचिंतक ने दर्ज कराया है, जिनकी मोहम्मदपुर में आरक्षण आंदोलन के समर्थन में 19 जुलाई को निकाले गए जुलूस के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई थी। अन्य आरोपियों में अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून शामिल हैं। इनके अलावा, कई उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है।

एथेंस में जंगल की आग बुझाने के लिए विमान से पानी की बौछार की गयीं।

महासचिव एंटेनियो ने माना......संयुक्त राष्ट्र बदलते वक्त के साथ नहीं बदला

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गैरबराबरी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र बदलते वक्त के साथ नहीं बदला। साथ ही उन्होंने यूएनएससी में अफ्रीका को स्थायी सदस्यता देने की भी वकालत की है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय बहस के दौरान गुटेरेस ने कहा कि यूएनएससी बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने में विफल रही है। गौरतलब है कि भारत ने हमेशा से ही यूएनएससी में बदलाव और समान प्रतिनिधित्व की मांग की है। अफ्रीका के लिए एक स्थायी सीट की वकालत कर गुटेरेस ने कहा, यह स्वीकार करने लायक बात नहीं है कि दुनिया के प्रमुख शांति और सुरक्षा संगठन में एक अरब से अधिक लोगों वाले महाद्वीप के लिए स्थायी सीट नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था के तहत अफ्रीका के अंदर और वैश्विक स्तर पर शांति और सुरक्षा के मामले में अफ्रीका के आवाज नहीं सुनी गई है। मौजूदा व्यवस्था के तहत यूएनएससी में वर्तमान में 15 सदस्य हैं, जिसमें से वीटो पावर वाले पांच स्थायी सदस्य देश चीन, फ्रांस, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। अन्य दस सीटें अस्थायी हैं, जो क्षेत्रीय रूप से बांटी गई हैं। इसमें से तीन अफ्रीकी देशों के लिए निर्धारित की गई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने गुटेरस का बातों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, यह तथ्य कि सुरक्षा परिषद में अफ्रीका का स्पष्ट रूप से कम प्रतिनिधित्व है। यह बिल्कुल गलत है, क्योंकि यह समानता और समावेशन के सिद्धांतों का पालन नहीं करता है। फ्रांसिस ने कहा, इस संस्था में जल्द से जल्द सुधार की जरूरत है ताकि यह दुनिया को उस तरह से ना दिखाए जैसा कि यह लगभग 80 साल पहले थी।

र के कई प्रांतों में लोगों को कमला पसंद, राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट की बात बन जाएगी?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की ओर से कमला हैरिल मैदान में हैं। जो बाइडेन के रेस से पीछे हटने के बाद मैदान में आई हैरिस लगातार ट्रंप की मुश्किलें बढ़ाती नजर आ रही हैं। भारतवंशी हैरिस ने राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रमुख चुनावी राज्यों में बढ़त हासिल कर ली है। चुनाव प्रचार के लिए चंदा एकत्र करने का भारतीय अमेरिकी हैरिस का अभियान जारी है। उनकी रैलियों में रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिल रही है। हैरिस ने सैन फ्रांसिस्को में चंदा जुटाने के एक कार्यक्रम में कहा कि हम यह चुनाव जीतेंगे।

कमला हैरिस ने जुटाया 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा

कमला हैरिस ने सैन फ्रांसिस्को कार्यक्रम में 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा जुटाया जिसमें कई भारतीय अमेरिकियों सहित लगभग 700 दानदाताओं ने भाग लिया। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से बाहर होने के फैसले के बाद राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के एक महीने से भी कम समय में हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़त को लगभग समाप्त कर दिया है। सभी प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य सर्वेक्षणों की निगरानी करने वाली मीडिया कंपनी 'रियल क्लियर पॉलिटिक्स' के अनुसार, लोकप्रियता रेटिंग में हैरिस अब सभी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के औसत में ट्रंप से 0.5 प्रतिशत अंक आगे हैं। इसके अनुसार, हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में विस्कॉन्सिन और मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण प्रांतों में भी बढ़त बना ली है जहां पहले बाइडन पीछे थे। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के ताजा सर्वेक्षण में कहा गया कि पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन और मिशिगन में हैरिस चार प्रतिशत अंकों से आगे हैं।

10 सितंबर को आमने सामने होंगे ट्रंप और हैरिस

अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने 10 सितंबर को चुनावी बहस के लिए सहमति व्यक्त की है, जिसमें दोनों उम्मीदवारों का आमना-सामना होगा। अमेरिकी व्यापारिक टेलीविजन प्रसारण नेटवर्क अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) ने यह जानकारी दी। इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के समक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि वे सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत प्रथम बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था।

पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई चीफ की छिन सकती हैं सरकारी सुविधाएं

-सेना ने किया इमरान के करीबी को गिरफ्तार, कोर्ट मार्शल की तैयारी

इस्लामाबाद(एजेंसी)। खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद को पाकिस्तान की सेना ने गिरफ्तार कर लिया है। हामिद की गिरफ्तारी की पुष्टि आईएसपीआर ने की है। उन्हें पूर्व पीएम इमरान खान का करीबी माना जाता है। इमरान सरकार के दौरान फैज हामिद को सेना प्रमुख बनाने की चर्चा थी। तख्तापलट के कारण यह योजना सफल नहीं हो सकी। हामिद पर अफगानिस्तान की नागरिक सरकार को अस्थिर करने और काबुल पर तालिबान के कब्जे में मदद करने का भी आरोप लगा था।

आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए, फैज हामिद के खिलाफ टॉप सिटी केस में की गई शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना ने इसकी जांच की। पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत जासूसी एजेंसी के पूर्व प्रमुख के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। इसमें कहा गया है कि फैज हामिद के खिलाफ रिटायर होने के बाद पाकिस्तान सेना अधिनियम के उल्लंघन के कई मामले भी स्थापित किए गए हैं। फैज हामिद ने पेशावर कोर कमांडर के रूप में भी काम किया था।

आईएसपीआर ने कहा कि फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और फैज हामिद को सैन्य हिरासत में ले लिया गया है। कोर्ट मार्शल होते ही फैज हामिद को सेना से बर्खास्त कर दिया जाएगा और उन्हें मिलने वाली सभी सरकारी सुविधाओं को रोक दिया जाएगा।

बांग्लादेश के हालात के लिए अमेरिका जिम्मेदार नहीं : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ और शेख हसीना कुर्सी छोड़कर भारत भाग आईं। मोहम्मद यूनुस ने कुर्सी भी संभाल ली। मगर सवाल अब भी वही है कि आखिर इन सबके पीछे क्या सच में अमेरिका का हाथ था? क्या अमेरिका की वजह से ही शेख हसीना को कुर्सी गंवानी पड़ी, क्या बांग्लादेश में सियासी संकट के पीछे अमेरिका ही था? इन सभी सवालों पर अब अमेरिका का स्टैंड सामने आ गया है। अमेरिका ने बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप के आरोपों का खंडन किया है। बांग्लादेश में हिंसा के कारण पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इन तमाम आरोपों के बाद 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने अपने डेली प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'हमारी इसमें (बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता में) कोई संलिप्तता नहीं है। इन घटनाओं में अमेरिकी प्रशासन का हाथ होने संबंधी कोई भी खबर या अफवाह पूरी तरह से झूठी है। यह सच नहीं है।'

जीन पियरे मीडिया में आई उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रही थीं, जिनमें शेख हसीना के कथित दावे के हवाले से कहा गया है कि अगर उन्होंने (शेख हसीना) सेंट मार्टिन द्वीप का आधिपत्य त्याग दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दी होती, तो वह सत्ता में बनी रहतीं। हालांकि, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने इस बात से इनकार किया है कि उनकी मां ने ऐसा कोई बयान दिया है। शेख हसीना के बेटे वाजेद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'हाल ही में एक अखबार में प्रकाशित मेरी मां का इस्तीफे से संबंधित बयान पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत है। उन्होंने मुझसे बातचीत में पुष्टि की है कि उन्होंने ढाका छोड़ने से पहले या बाद में कोई बयान नहीं दिया।' 'व्हाइट हाउस' ने कहा कि अपना भविष्य तय करना बांग्लादेश के लोगों का अधिकार और विशेषाधिकार है। अमेरिकी अधिकारी जीन पियरे ने कहा, 'यह (अपने नेता को चुनना) बांग्लादेशी लोगों का उनके लिए, उनके द्वारा लिया गया एक महत्वपूर्ण फैसला है।

अब आरपार के मूड में रूस, कुर्स्क में गिराया तबाही मचाने वाला वैक्यूम बम!

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि उसने रुस के 350 किमी के भीतर कब्जा कर लिया है। यूक्रेन के इस दावे से तिलमिलाए रुस ने खतरनाक हथियारों का उपयोग शुरु कर दिया है। रूस यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क में और अंदर तक घुसने से रोकने के लिए खतरनाक थर्मोबैरिक बम गिरा रहा है। वैक्यूम बम के नाम से जाना जाने वाला यह विनाशकारी बम जिस इलाके में गिरता है, वहां घातक रसायन छोड़ता है। इससे लोगों की दम घुटकर या फेफड़ों में संक्रमण होकर जान चली जाती है। ये खतरनाक बम बड़ी संख्या में लोगों की जान ले सकता है।

यूक्रेनी सेना के बीते हफ्ते किए गए हमले के बाद वह रूसी क्षेत्र में 20 किलोमीटर तक घुसने में सफल रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यूक्रेनी सेना के हमले में सैकड़ों रूसी सैनिक मारे गए हैं और गिरफ्तार हुए हैं। इसके बाद रूस ने अपने क्षेत्र को वापस पाने और कीव को आगे पैर जमाने से रोकने के लिए आक्रामकता दिखाई है। रूस ने बड़ी तादाद में हथियार कुर्स्क के सुदजांस्की की रक्षा के लिए भेजे हैं, ये इलाका एक हफ्ते से यूक्रेनी हमलों के केंद्र में है। रूस ने अपने दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त टैंक, तोपखाने और रॉकेट प्रणालियां भेजी हैं। रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को आपातकाल घोषित कर दिया

और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा है। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से व्लादिमीर पुतिन और रूस के सामने यूक्रेन की ओर से पेश की गई यह सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में कुर्स्क में ये बम गिराए जाने का दावा किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि युद्धग्रस्त कुर्स्क क्षेत्र में ये बम कहां गिराए गए और इससे कितना नुकसान हुआ। जब तक नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा है, तब तक वैक्यूम बमों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं है। थर्मोबैरिक (वैक्यूम) बमों का रूस पहले भी इस्तेमाल करता रहा है। रूस पर 2022 में यूक्रेनी तेल डिपो पर ये बम गिराने का आरोप लगा था। थर्मोबैरिक हथियार दूसरे द्वितीय विश्व युद्ध में नाजियों ने बनाए थे। हालांकि इनका पहली बार इस्तेमाल अमेरिका ने वियतनाम में किया था। ये बम जब कहीं गिराया जाता है तो इसके शुरुआती विस्फोट से बड़ी मात्रा में रासायनिक कण हवा में फैल जाते हैं और इसके विनाशकारी प्रभाव होते हैं। माना जा रहा है कि यूक्रेन से मिले बड़े झटके का जवाब देने के लिए रूस की ओर से ये बम चलाए गए हैं।

भीड़ ने बाइडन से कहा- बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या पर चुप्पी न साधे अमेरिका

ह्यूस्टन (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन का दौर जारी है 300 से अधिक भारतीय-अमेरिकी और बांग्लादेशी मूल के हिंदू ह्यूस्टन के शुगर लैंड सिटी हॉल में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से अपील की कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं। आयोजकों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने बाइडन प्रशासन से आग्रह किया कि वह मानवता के खिलाफ हो रहे जघन्य अपराधों के दौरान मूकदर्शक न बने रहें। आयोजकों ने बांग्लादेशी हिंदुओं को सतर्क रहने, स्थिति पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में मिलकर आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। 'बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाओ' प्रदर्शन का आयोजन ग्लोबल वॉयस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज ने किया। यह ह्यूस्टन के प्रमुख हिंदू समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है, जिसमें मैत्री, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ऑफ अमेरिका, हिंदूएक्शन, हिंदूपैक्ट, ह्यूस्टन दुर्गाबाड़ी सोसाइटी, इस्कॉन, ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा और कई अन्य समूह शामिल हैं।

वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश के गोपालगंज शहर में सोमवार को हिंदुओं पर हुए हमलों के खिलाफ हजारों लोगों का हुजूम उमड़ा। लोगों ने मानव श्रृंखला बनाई और देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के प्रेस क्लब के सामने बंगबंधु रोड पर 'धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय' के बैनर तले रैली आयोजित की गई। मौके पर जिला पूजा उद्जापन परिषद के अध्यक्ष मृणाल कांति रॉय चौधरी, पूर्व अध्यक्ष डॉ असित कुमार मलिक और अन्य ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देशभर में अल्पसंख्यक समुदाय पर अत्याचार हो रहे हैं। हिंदुओं के मंदिरों, घरों और दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने घटनाओं की तत्काल जांच करने और दोषियों को गिरफ्तार कर न्याय के कठघरे में लाने की मांग की। बांग्लादेश में हिंदुओं से हिंसा पर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने सोमवार को माफी मांगी। गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने माना कि वे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा करने में विफल रहे। बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद अंतरिम सरकार ने जगह ले ली है। हुसैन ने मीडिया से कहा, हम हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे। मैं हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, हमारे अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना बहुसंख्यक समुदाय का कर्तव्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें जवाब देना होगा कि वे सुरक्षा प्रदान करने में विफल क्यों रहे। यह हमारे धर्म का भी हिस्सा है कि

हमें अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए। मैं अपने अल्पसंख्यक भाइयों से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, देश अराजकता के दौर से गुजर रहा है। पुलिस खुद अच्छी स्थिति में नहीं है, इसलिए मैं समाज से आग्रह करता हूं कि अल्पसंख्यकों की रक्षा करें। वे हमारे भाई हैं और हम सभी एक साथ बड़े हुए हैं।

महंगाई-बेरोजगारी के कारण कर्ज के जाल में फंस रहे भारतीय....

5 साल में 29,486 लोगों ने कर्ज से परेशान होकर की आत्महत्या

▶▶ कर्ज छीन रही जिंदगियां!

▶▶ भारत में होने वाली 100 में से हर चौथी आत्महत्या कर्ज या आर्थिक तंगी के कारण हो रही है

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में कर्ज या आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। याद होगा कि पिछले साल राजधानी भोपाल में एक पूरा परिवार कर्ज के कारण खत्म हो गया था। भोपाल में एक कपल ने पहले अपने दो छोटे बच्चों को जहर दिया और फिर खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इसी साल मई में फरीदाबाद में एक ही परिवार के छह लोगों ने नींद की गोलियां खाकर जान देने की कोशिश की थी। परिवार कर्ज में डूबा हुआ था। गनीमत रही कि पांच लोगों को बचा लिया गया, लेकिन 73 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई थी। ये तो कुछ ही मामले हैं। इंटरनेट पर ढूंढेंगें तो ऐसे ढेरों मामले मिल जाएंगे, जिसमें आर्थिक तंगी और कर्ज ने पूरा का पूरा परिवार ही खत्म कर दिया। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि भारत में कर्ज कितना जानलेवा बनता जा रहा है। एजेंसी पर आत्महत्या के 2022 तक के आंकड़े मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि भारत में होने वाली सौ में से हर चौथी सुसाइड कर्ज या आर्थिक तंगी के कारण होती है। 2022 में देशभर में 1.70 लाख से ज्यादा लोगों ने खुदकुशी कर ली थी। इनमें से सात हजार से ज्यादा लोग ऐसे थे जिन्होंने कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या की थी। इस हिसाब से हर दिन औसतन 19 लोगों ने सुसाइड की। आंकड़े बताते हैं कि 2018 से 2022 के बीच पांच साल में कर्ज से परेशान होकर 29 हजार 486 लोग आत्महत्या कर चुके हैं।

14.16 लाख करोड़ का कर्ज

भारतीय परिवारों पर कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। नतीजा ये हो रहा है कि इससे बचत नहीं हो पा रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय परिवारों की बचत लगातार कम हो रही है, क्योंकि लोगों पर कर्ज बढ़ रहा है। 2020-21 में घरेलू बचत 23.29 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई थी। ये अब तक का रिकॉर्ड है। लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। 2021-22 में ये आंकड़ा गिरकर 17.12 लाख करोड़ और 2022-23 में और गिरकर 14.16 लाख करोड़ हो गया।

घरेलू बचत 47 साल के निचले स्तर पर

आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि भारत में नेट हाउसहोल्ड सेविंग्स यानी शुद्ध घरेलू बचत 47 साल के निचले स्तर पर है। 2022-23 में ये जीडीपी का 5.3 प्रतिशत हो गई, जो 2021-22 में 7.3 प्रतिशत थी। बचत इसलिए कम हो रही है, क्योंकि लोगों पर कर्ज बढ़ रहा है। उनकी कमाई का एक हिस्सा कर्ज चुकाने में चला जाता है। वहीं, नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस के आंकड़े बताते हैं कि 2012 में शहरी इलाकों में 22.4 प्रतिशत परिवारों पर कर्ज था। 2018 में भी ये आंकड़ा 22.4 प्रतिशत ही रहा। लेकिन इसी दौरान कर्जदार ग्रामीण परिवारों का आंकड़ा 31 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया। एनएसएसओ के आंकड़े बताते हैं कि जून 2018 तक ग्रामीण परिवारों पर औसतन 59 हजार 748 रुपये का कर्ज था। जबकि, शहरी परिवारों पर ये कर्ज लगभग दोगुना था। शहरी परिवारों पर 1,20,336 रुपये का कर्ज था। ये आंकड़ा लगभग छह साल पुराना है और जाहिर है कि इसमें बढ़ोतरी हुई होगी। हाल ही में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी कहा था कि लोग लोन लेकर शेयर मार्केट और म्यूचल फंड में इन्वेस्ट कर रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई थी कि एक ओर बैंकों की क्रेडिट ग्रोथ बढ़ रही तो दूसरी ओर डिपॉजिट में कमी आ रही है। इससे बैंकों के डूबने का खतरा भी है।

शहर से लेकर गांवों की तस्वीर बदलेगी नीतिश सरकार......48 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी

पटना । (एजेंसी)

बिहार में नीतिश बाबू की सरकार में बड़े पैमाने पर आधारभूत संरचना का विकास होने वाला है। नीतीश सरकार ने इसके लिए करीब 48 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना तैयार की है। यह पैसा कर्ज के जरिए अलग-अलग वित्तीय संस्थाओं से जुटाया जाएगा। इस कर्ज में कम और लंबी, दोनों तरह की अवधि के ऋण शामिल है। नीतिश सरकार का मानना है कि इससे राज्य के आर्थिक विकास को गति मिलेगी और रोजगार के अवसर बढ़ने वाले है। वित्त विभाग ने इस योजना को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, सबसे अधिक 2700 करोड़ रुपये नाबार्ड से कर्ज के रूप में लिए जाएंगे। इसके अलावा, 300-300 करोड़ रुपये नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) और सिडबी से मिलने की तैयारी है। बाकी रकम ओपन मार्केट और विदेशी फंडिंग एजेंसियों से जुटाई जाएगी।

दरअसल, नीतीश सरकार की योजना चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की है। नाबार्ड से मिलने वाले 300 करोड़ रुपये ग्रामीण इलाकों में कृषि विकास पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत संरचना के निर्माण और अनाज गोदाम बनाने जैसे कामों पर भी यह पैसा खर्च होगा। वहीं, सिडबी से मिलने वाले 300 करोड़ रुपये से औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों के लिए सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में मजदूरों के बच्चों के लिए स्कूल भवन निर्माण पर भी यह पैसा खर्च किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य हेतु नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) से मिलने वाली 300 करोड़ की राशि का उपयोग प्याऊ, बस स्टैंड और शवदाह गृह जैसे जनोपयोगी काम पूरे किए जाएंगे।

प्रदेश प्रभारियों और अध्यक्षों के साथ बैठक कर खडग़े-राहुल ने बनाई रणनीति

अग्निवीर और एमएसपी पर देशभर में आंदोलन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने मंगलवार को सभी महासचिवों, राज्य इकाई प्रमुखों और पार्टी के राज्य प्रभारियों के साथ बैठक की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी, महासचिव जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल इस बैठक में शामिल हुए। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के अलावा जम्मू-कश्मीर में इसी साल विधानसभा चुनााव होने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में सहयोगी दलों के साथ सीट शेयरिंग, टिकट बंटवारा समेत कैंपेन को लेकर चर्चा की गई। खडग़े ने बैठक के बाद बताया कि पार्टी बेरोजगारी, अग्निवीर, अनियंत्रित मुद्रास्फीति, किसान और जातिगत जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। इसके लिए देशभर में कैंपेन शुरू किया जाएगा। खडग़े ने कहा कि सेबी और अडानी के बीच सांठगांठ के चौंकाने वाले खुलासे की जांच की जरूरत है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा- शेयर बाजार में छोटे निवेशकों के पैसे को खतरे में नहीं डाला जा सकता। मोदी सरकार को तुरंत सेबी अध्यक्ष का इस्तीफा मांगना चाहिए और जांच के लिए जेपीसी का गठन करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में संविधान पर हमला जारी है। जाति जनगणना लोगों की मांग है। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी की मांग के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना को खत्म किया जाना चाहिए।

ट्रेन का पटरी से उतरना आम बात हुई

उन्होंने कहा- बेरोजगारी और अनियंत्रित मुद्रास्फीति और घरेलू बचत में कमी जैसे ज्वलंत मुद्दों पर हमारी नजर है। गरीब और मध्यम वर्ग के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने रेलवे सुरक्षा के मुद्दे पर कहा- ट्रेन का पटरी से उतरना आम बात हो गई है। जलवायु संबंधी आपदाएं और ढहता बुनियादी ढांचा भी चिंता का विषय है।

4 राज्यों की स्क्रिनिंग कमेटी की घोषणा

इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने चार चुनावी राज्यों के लिए स्क्रिनिंग कमेटी के अध्यक्षों की घोषणा की थी। ये कमेटी राज्यों में उम्मीदवारों पर फैसला लेगी। अजय माकन को हरियाणा, गिरीश चोडानकर को झारखंड, मधुसूदन मिस्त्री को महाराष्ट्र और सुखजिंदर सिंह रंधावा को जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस : 4 जातियों के नुमाइंदों को न्योता, स्वतंत्रता दिवस पर अपनी सरकार का रोडमैप रखेंगे

देशभर में 78वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार दिल्ली के लालकिले से देश को संबोधित करेंगे।

नई दिल्ली : (एजेंसी)

देशभर में 78वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार दिल्ली के लालकिले से देश को संबोधित करेंगे। ऐसा करने वाले वह दूसरे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। इससे पहले जवाहरलाल नेहरू के नाम यह उपलब्धि थी। प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीसरी पारी की शुरुआत में सरकार की प्राथमिकताएं देश के सामने रख सकते हैं और भारत को विकसित देश बनाने का रोड मैप बता सकते हैं।इस स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी के खास मेहमान लाल किले पर आएंगे। दरअसल, उनकी बताई चार जातियों के नुमाइंदे लाल किले पर मौजूद होंगे। इनमें गरीब, युवा, किसान और महिला वर्ग के नुमाइंदे शामिल हैं। बताया गया है कि इन चार वर्गों के करीब चार हजार मेहमानों को स्वतंत्रता दिवस समारोह का न्योता दिया गया है।पीएम मोदी के खास मेहमानों को ग्यारह श्रेणियों में बांटा गया है। सभी को बुलाने की जिम्मेदारी कृषि और किसान कल्याण, युवा मामले, महिला और बाल विकास मंत्रालयों को दी गई है। इनके अलावा पंचायती राज और ग्रामीण विकास, आदिवासी मामले, शिक्षा और रक्षा मंत्रालय ने भी मेहमानों की सूची तैयार की है। साथ ही साथ नीति आयोग भी मेहमानों को बुला रहा है। वहीं, ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले सभी भारतीय खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने वापस लिया ब्रॉडकास्टिंग बिल 2024, कहा- चर्चा के बाद फिर तैयार होगा नया ड्राफ्ट

नई दिल्ली : (एजेंसी)

केंद्र सरकार ने ब्रॉडकास्टिंग बिल 2024 वापस ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र की ओर से बताया गया है कि व्यापक विचार विमर्श के बाद नया ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने ब्रॉडकास्टिंग बिल 2024 वापस ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र की ओर से बताया गया है कि व्यापक विचार विमर्श के बाद नया ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। इसके बाद फिर संसद में पेश किया जाएगा। मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग (स्ढ्ढक्च) ने पिछले साल नवंबर में नए ब्रॉडकास्टिंग रेगुलेशन बिल का ड्राफ्ट किया था।विपक्ष ने आरोप लगाया था कि बिल का संशोधित ड्राफ्ट संसद की पटल पर रखे जाने से पहले ही कुछ चुनिंदा हितधारकों के बीच गुप्त रूप से% लीक कर दिया गया था। इस बिल के ड्राफ्ट पर पब्लिक कॉमेंट की डेडलाइन 15 जनवरी 2024 थी। इस बिल का दूसरा ड्राफ्ट इस साल जुलाई में तैयार किया गया, जिसे केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद के मौजूदा सत्र में प्रस्तावित किया था। डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स और इंडिविजुअल कॉन्टेंट क्रिएटर्स इस बिल का विरोध कर रहे थे।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, हम ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (रेगुलेशन) बिल के ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं। इस विधेयक के ड्राफ्ट को हितधारकों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए 10 नवंबर 2023 को सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था। हमें विभिन्न हितधारकों की ओर से अनेक सिफारिशें, टिप्पणियां औा सुझाव प्राप्त हुए थे। मंत्रालय विधेयक के ड्राफ्ट पर हितधारकों के साथ सिलसिलेवार विचार-विमर्श कर रहा है। सुझाव और टिप्पणियों के लिए 15 अक्टूबर, 2024 तक के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया जा रहा है. विस्तृत विचार-विमर्श के बाद बिल का एक नया ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा।

नक्सलियों के ठिकाने से 38 लाख कैश मिले

- 23 ग्रेनेड-लॉन्चर समेत विस्फोटक भी बरामद

रायपुर ।(एजेंसी)

छत्तीसगढ़ में गरियाबंद-धमतरी पुलिस को नक्सलियों के ठिकाने में दबिश देने पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस को 38 लाख रुपए कैश मिले हैं। इसे ओडिशा स्टेट कमेटी के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के नक्सलियों ने डंप कर रखा था। इसके अलावा पुलिस को 23 बीजीएल राउंड (बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर) और 13 डेटोनेटर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामाग्री भी मिली है। रायपुर रेंज के अंदरूनी क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है।

इसी सिलसिले में पुलिस को सूचना मिली थी।सूचना थी कि, प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के निर्देश पर स्थानीय नक्सलियों ने व्यापारियों से अवैध रूप से लेवी वसूल की है।

इस वसूली से मिले कैश और बाकी नक्सल सामग्रियों को गरियाबंद और धमतरी के अलग-अलग क्षेत्रों में डंप कर छिपाया गया है। सूचना मिलने पर गरियाबंद-धमतरी पुलिस बल और सीआरपीएफ की टीम ने विशेष सर्चिंग अभियान चलाया। धमतरी-गरियाबंद के सीमा पर छोटे गोबरा और पेंड्रा के जंगल में सामान डंप करने के लिए जमीन में गहरा गड्ढा खोदा गया था। इसमें कैश और विस्फोटक सामाग्रियों को रखने के बाद मिट्टी और झाडियों से छिपा दिया गया था। जिसे सुरक्षाबलों ने सर्चिंग के दौरान बरामद किया। 10 जुलाई को संयुक्त टीम रवाना हुई थी और यह ऑपरेशन 12 जुलाई को पूरा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

शिमला में भरभराकर गिरी टनल........मैनेजर की सूझबूझ से बची कर्मचारियों की जान

शिमला । शिमला में मंगलवार सुबह निर्माणाधीन टनल भरभराकर गिर गई। कालका से शिमला निर्माणाधीन फोरलेन पर चलौंठी में टिटरी टनल का काम चल रहा है। देर शाम टनल में कुछ गड़बड़ी महसूस हुई, इसके बाद मैनेजर ने सूझबूझ दिखाकर टनल में काम में लगे कर्मचारी और मशीनरी को बाहर निकाल लिया। इस समझदारी से कर्मचारियों की जान बच गई और मशीन को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। एनएसएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर अचल जिंदल ने बताया कि जहां टनल का पोर्टल (गेट) बन रहा था। वहां मलबा डंप हो गया था। पोर्टल को पक्का करने का काम चल रहा था। तेज बारिश में टनल के पोर्टल पर भूस्खलन हो गया।गौरतलब है कि शिमला में इन दिनों टनल बनने का काम चल रहा है। मल्याणा से चलोंठी तक फोर लेन की टनल बनने का काम जारी है। हेलीपेड के पास बन रही टनल बरसात के कारण गिर जाने से लोगो में डर बैठ गया है। देश के पहाड़ी हिस्सों में बारिश होने पर भूस्खलन की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें बड़ी संख्या में जान और माल का नुकसान हुआ है।

लुधियाना में 400 से ज्यादा बिल्डिंगों को जारी हुआ नोटिस, जानें वजह

लुधियाना । लुधियाना से बड़ी खबर सामने आई है जहां 400 से ज्यादा बिल्डिंगों को नोटिस जारी हुआ है। जानकारी के अनुसार बेसमेंट में कमर्शियल गतिविधियों के आरोप में नगर निगम द्वारा 416 बिल्डिंगों को नोटिस जारी किया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली में कोचिंग सेंटर में पानी भरने की वजह से 3 छात्रों की मौत होने के बाद की गई है। जिसके मद्देनजर डीसी द्वारा बेसमेंट में कमर्शियल गतिविधियों वाली बिल्डिंगों की चेकिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके आधार पर नगर निगम द्वारा चारों जोनों में सर्वे करने के बाद बेसमेंट में कमर्शियल गतिविधियों के आरोप में 416 बिल्डिंगों को नोटिस जारी करने का फैसला किया गया है।

लाखों की ठगी करने वाले ट्रैवल एजेंट को किया काबू, मामला दर्ज

पंजाब । पंजाब के फरीदकोट से ट्रैवल एजेंट की एक वीडियो वायरल हो रही है। ट्रैवल एजेंट द्वारा लोगों के साथ विदेश भेजने के नाम पर ठगी की और फिर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार एजेंट ने युवक से 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। युवक ने बताया कि विदेश जाने के लिए उसने अपना घर और दफ्तर भी बेच दिया। एजेंट ने लोगों से लाखों रुपयों की ठगी की है और उन्हीं लोगों द्वारा एजेंट को काबू कर लिया गया है।बता दें कि बठिंडा के कचहरी रोड से एजेंट को काबू किया गया है। जब यह घटना हुई तो उस वक्त पुलिस की गाड़ी वहां से गुजर रही , जिससे एजेंट ने मदद मांगी और सड़क पर गिर गया। इसके बाद पुलिस एजेंट को अपने साथ ले गई और मामले की जांच की जा रही है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी अहमदाबाद और बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद और बांद्रा टर्मिनस के बीच विशेष किराये पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः ट्रेन संख्या 09054/09053 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल (कुल दो फेरे)ट्रेन संख्या 09054 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 15 अगस्त 2024 गुरुवार को अहमदाबाद से प्रातः 08:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 17:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09053 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल 14 अगस्त 2024 बुधवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05:30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन नडियाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, पालघर एवं बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेन संख्या 09054 की बुकिंग दिनांक 14.08.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी तथा ट्रेन संख्या 09053 की बुकिंग शुरू है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

तिरंगा एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतीक है-योगी

लखनऊ ।(एजेंसी)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। इसका मतलब 140 करोड़ भारतवासियों के चेहरे पर खुशहाली लाना है। इसके के लिए समस्त भारतवासियों को देश की समृद्धि में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एकजुट होकर इस अभियान का हिस्सा बनना होगा। दो वर्ष पहले देश के आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन से जुड़कर हम लोगों ने पंच प्रण का संकल्प लिया था और आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में 'हर घर तिरंगा' के माध्यम से भारत के आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगा को हर घर पर लहराने का कार्य किया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को यहां अपने सरकारी आवास पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत 'तिरंगा यात्रा बाइक रैली' को झंडी दिखाकर रवाना किया। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा लखनऊ महानगर की ओर से राष्ट्र प्रथम की भावना संग यह रैली निकाली गई। इसमें हजारों उत्साहित कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। योगी आदित्यनाथ ने आजादी के 78वें स्वाधीनता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2022-23 में उत्तर प्रदेश ने पांच करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा लहराने का कीर्तिमान स्थापित किया था। गत वर्ष भी उत्तर प्रदेश में लगभग साढ़े चार करोड़ घरों पर तिरंगा लहराया गया था। पीएम मोदी के आह्वान पर इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश सरकार ने हर घर तिरंगा को साढ़े चार करोड़ घरों तक पहुंचाने का वृहद संकल्प लिया है। भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के संकल्प के साथ जुड़कर हम सभी भारत के आन-बान-शान के प्रतीक तिरंगा को हर घर तक पहुंचाने के सहभागी बन रहे है।

सीएम योगी ने कहा कि उप्र में पिछले तीन दिन के अंदर भाजपा के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा के उत्साही कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। इसमें शामिल छात्र, व्यवसायी समेत अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के द्वारा दिख रहा उत्साह नए भारत का दर्शन कराता है। तिरंगा एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। सीएम ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि आज से 15 अगस्त तक हर घर पर तिरंगा लहराया जाएगा। उन्होंने अपील की कि इसके साथ हम खुद भी जुड़ेंगे और हर प्रदेशवासी को जोड़ेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत माता की जयकार संग हाथ में तिरंगा फहराते अपने आवास से पैदल चले। सीएम ने राष्ट्रीयता, राष्ट्र प्रथम के भाव व पंच प्रण के संकल्पों के साथ जुड़ने का आग्रह किया।

पोकरण में स्वदेशी एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण

सेना के जवान ने कंधे पर रखकर लॉन्च किया, अर्जुन टैंक में भी लग सकती है

जैसलमेर ।

जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारत ने स्वदेशी मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने डेवलप किया है। यह पोर्टेबल मिसाइल कंधे से भी लॉन्च की जा सकती है। इसे दुश्मन के टैंक और बख्तरबंद वाहनों को बेअसर करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मिसाइल से रात में भी हमले किए जा सकते हैं। यह मिसाइल भारतीय थल सेना और पैरा कमांडो के लिए तैयारी की गई है।एमपी-एटीजीएम हथियार प्रणाली का वजन 14.5 किलोग्राम है और लंबाई 4.3 फीट है। इसे पहली बार कंधे पर रखकर रॉकेट लॉन्चर की तरह लॉन्च किया गया। इसकी रेंज 200 मीटर से लेकर 2.5 किलोमीटर है। इसमें टैंडम चार्ज हीट और पेनीट्रेशन वॉरहेड लगा सकते हैं। इस गाइडेड एंटी-टैंक मिसाइल को भविष्य में अर्जुन टैंक में भी लगाया जा सकता है। यानी टैंक गोले के साथ-साथ मिसाइल भी दागेगा। फिलहाल इसके ट्रायल पूरे हो चुके हैं। सेना में इस मिलाइल के शामिल होने के बाद फ्रांस में बनी मिलन-2टी और रूस में बनी कॉन्कर्स एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के पुराने वर्जन को हटाया जाएगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इन सफल परीक्षणों के लिए डीआरडीओ और भारतीय सेना की सराहना की है, और इसे उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित रक्षा प्रणाली के विकास में आत्मनिर्भरता हासिल करने की तरफ महत्वपूर्ण कदम बताया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

नगर प्रबंध समिति के पांच शिक्षक विदेश में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के पांच शिक्षक इस समय विदेश में हैं। इनमें से दो ऐसे हैं जो पिछले छह माह से विदेश में रहने के बावजूद तीन माह का वेतन ले चुके हैं और तीन बार नोटिस मिलने के बाद भी ड्यूटी पर नहीं आये हैं. वहीं दूसरी ओर एक शिक्षक ऐसे हैं जो सूरत में रहने के बावजूद पिछले छह महीने से कक्षा में छात्रों को पढ़ाने नहीं आए हैं और समिति को इसकी कोई जानकारी नहीं है.

सूरत नगर निगम संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति भी हरकत में आ गई है. उनके शिक्षक विदेश यात्रा पर चले गए लेकिन छह महीने तक वापस नहीं लौटे। ऐसे शिक्षकों को बर्खास्त करने की कार्रवाई करने की बात कही जा रही है. दो महिला शिक्षकों ने समिति से कुछ समय के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन वे उस समय सीमा में वापस नहीं आये और तीन माह तक का वेतन भी ले गये. ऐसे शिक्षकों पर कमेटी कार्रवाई करने जा रही है.

पांच शिक्षक विदेश में हैं समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कपाड़िया ने बताया कि फिलहाल जानकारी है कि समिति के करीब पांच शिक्षक विदेश में हैं. जिसमें से दो महिला शिक्षक ऐसी हैं जो निर्धारित समय के बाद भी अब तक नहीं आयी हैं. वे ली गई छुट्टियाँ पूरी करने के बाद भी सूरत नहीं लौटे हैं। इन महिला शिक्षकों को तीन बार नोटिस भेजा जा चुका है, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इसलिए अब समिति इन्हें बर्खास्त करने की कार्रवाई करेगी।

दोनों महिला शिक्षकों को नोटिस देकर कहा कि विदेश गयीं अन्य शिक्षिकाओं ने जितने दिनों की छुट्टी ली है, वह अभी पूरी नहीं हुई है. इसलिए अब उनके खिलाफ कोई कार्रवाई या अन्य प्रक्रिया नहीं की जाएगी। स्कूल नंबर १२१ की निमिषा पटेल और स्कूल नंबर १९० की आरती चौधरी पिछले छह महीने से विदेश में हैं। उन्हें तीन नोटिस जारी किए जा चुके हैं.

इतना ही नहीं अंसारी मूसा के सूरत में रहने के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है,उन्होंने आगे बताया कि अंसारी मूसा नाम का शिक्षक जब से स्कूल से जुड़ा है तब से वह स्कूल नहीं आया है. उन्हें तीन माह का वेतन भी दे दिया गया है. वह विदेश नहीं गये हैं लेकिन समिति के पास उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है. आने वाले दिनों में उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी. अंसारी मूसा स्कूल नंबर २७५ में पढ़ाते हैं. हमने तीन नोटिस भेजे लेकिन तीनों नोटिस का जवाब नहीं दिया.

अहमदाबाद में ढाई साल से अनुपस्थित शिक्षक का कोई सुराग नहीं अहमदाबाद के अमराईवाड़ी क्षेत्र के बाघेफिरदोश हिंदी स्कूल में कक्षा ६ से ८ तक के शिक्षक के रूप में कार्यरत तेजसिंह कप्तानसिंह भदोरिया २२ जनवरी २०२२ से स्कूल से अनुपस्थित हैं। एक शिक्षक बिना किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत कराए अवकाश पर चले गए हैं। उन्होंने वर्ष १९९० में एक शिक्षक के रूप में काम करना शुरू किया। उन्हें साल २०२५ में रिटायर होना था, लेकिन वह पहले ही गायब हो गए हैं. शिक्षक के गायब होने पर एएमसी स्कूल बोर्ड ने उसे नोटिस जारी किया है. दो बार नोटिस देने के बाद तीसरा अंतिम नोटिस भी दिया गया. लेकिन, शिक्षक उपस्थित नहीं हुए. स्कूल बोर्ड ने शिक्षकों की कमी की भी घोषणा की है। शिक्षक को २१ अगस्त तक रिहा कर दिया जाएगा। स्कूल बोर्ड प्रशासक एलडी देसाई ने कहा कि शिक्षक ९० दिनों से अधिक समय से अनुपस्थित हैं। बिना किसी प्रकार का अवकाश लिए अनुपस्थित रहने वाले शिक्षक को त्यागपत्र मानकर बर्खास्त कर दिया जाएगा। इस्तीफा देने वाले शिक्षक को कोई लाभ नहीं दिया जाएगा।

२७ जिलों के ९१ शिक्षक अवैध छुट्टी पर, ६० विदेश में,गुजरात में पिछले २ साल में १५१ शिक्षक ३ महीने से अधिक समय से अनुपस्थित हैं। मालूम हो कि ६० शिक्षक विदेश यात्रा पर गये हैं. फिर अनौपचारिक अवकाश पर रहने वाले शिक्षकों की संख्या ७० है. ३ शिक्षक पुलिस केस के कारण तथा १८ शिक्षक बीमारी के कारण अनुपस्थित हैं। कच्छ में सबसे अधिक १३ शिक्षकों के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने की सूचना है. जबकि गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सबसे ज्यादा १३ शिक्षक विदेश यात्रा के कारण अनुपस्थित पाए गए हैं.

छोटाउदेपुर जिले में एक शिक्षक १० साल से और दो शिक्षक ७ साल से अनुपस्थित चल रहे हैं. जिला शिक्षा पदाधिकारी कह रहे हैं कि नोटिस जिला शिक्षा विभाग की ओर से दिया गया है. इन शिक्षकों में दो महिला शिक्षक विदेश में रह रही हैं। इसके अलावा शेष पांच शिक्षक देश में रहने के बावजूद अनुपस्थित रहते हैं। अब तक जिला शिक्षा विभाग ने इन सभी शिक्षकों को सिर्फ नोटिस देकर संतुष्ट किया है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी है. इससे जिला शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर संदेह उत्पन्न हो रहा है. साथ ही एक शिक्षक २०१४ से लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं.

राज्य में भूत शिक्षकों की घटना सामने आने के बाद गुजरात सरकार जाग गई है. सरकार अब शिक्षकों समेत सभी कर्मचारियों के लिए छुट्टी के नियमों में बड़े बदलाव करने की योजना तैयार कर रही है। इसके लिए खासतौर पर लंबी छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारियों के लिए विशेष नियम बनाए जाएंगे। नए नियम उन कर्मचारियों पर लागू होंगे जो बीमारी और व्यक्तिगत कारणों सहित कई मामलों में लंबी अवधि के लिए छुट्टी पर हैं।

गुजरात सरकार के सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा विभाग फिलहाल ऐसे कर्मचारियों की सूची तैयार कर रहा है, साथ ही अन्य विभागों में भी ऐसे कर्मचारियों की जांच की जाएगी . जो कर्मचारी कम वेतन के साथ भी लंबी छुट्टी पर जाने वाले हैं, उनकी समय-समय पर जांच की जाएगी। इस निरीक्षण के दौरान यदि कर्मचारी बेवजह छुट्टी पर जाते या विदेश जाते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार बर्खास्तगी तक की कार्वाई की जाएगी।

तिरंगा थीम पर डांस वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वीआईपी रोड़ स्थित सन आर्केड में तिरंगा थीम पर डांस वर्कशॉप का आयोजन किया गया. डांस कोरियोग्राफ़र अंजलि दलाल ने बताया कि इस मौके़ पर सभी लड़कियों को देश भक्ति गीतों पर सेमीक्लासिक और वेस्टर्न डांस सिखाया गया. सभी ने डांस सिखते हुए डांस की तकनीक को समझा. वर्कशॉप के अंत में सभी ने ग्रुप डांस करते हुआ स्वतंत्रता दिवस मनाया.

इन्द्रिय विषय बनते हैं लोभ के हेतु- युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने जनता को आयारो आगम के माध्यम से पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि इस आगम के दूसरे अध्ययन में बताया गया है कि जो गुण है, वह मूल स्थान है और जो मूल स्थान है, वह गुण है. इन्द्रियों के विषय गुण कहलाते हैं. इन्द्रिय विषय आधार हैं. जैसे श्रत्रेन्द्रिय का विषय शब्द, घ्राणेन्द्रिय का विषय गंध, रसनेन्द्रिय का विषय रस, चक्षुरेन्द्रिय का विषय रूप और स्पर्शनेन्द्रिय का विषय स्पर्श. आदमी के पास पांच ज्ञानेन्द्रियां हैं. इसी प्रकार पांच कर्मेन्द्रियां भी बताई गयी हैं. आदमी कानों के द्वारा सुनता है, आंखों से देखता है, जिह्वा से स्वाद चखता है, त्वचा से स्पर्श होता है. इस प्रकार पाचों इन्द्रियों के अपने-अपने विषय और अपने-अपने व्यापार होते हैं. ये इन्द्रियों के विषय लोभ के हेतु बनते हैं. इन पांच विषयों के प्रति प्राणी का आकर्षण, आसक्ति और लोभ होता है. कषाय का चौथा अंग लोभ को बताया गया है. लोभ मोहनीय कर्म के परिवार का सदस्य है. आदमी को पाप कर्मों का बंध कराने वाला मोहनीय कर्म ही होता है. लोभ तो दसवें गुणस्थान तक रहने वाला होता है.

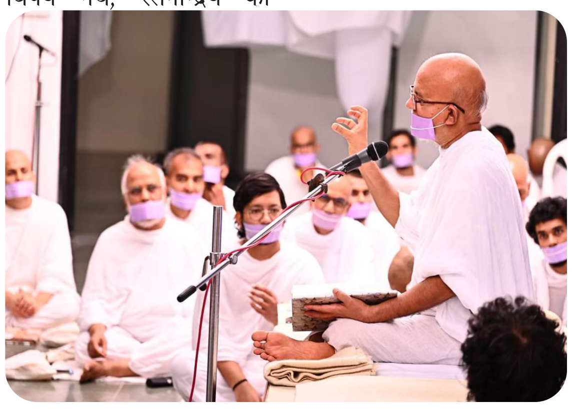

गृहस्थों में पैसे प्रति लोभ होता है, मान-सम्मान की मांग, समाज में ऊंचे स्थान की मांग भी एक प्रकार की लोभ की चेतना का प्रतीक बन सकता है. इस लोभ के वशीभूत होकर मनुष्य कुछ अकरणीय कार्य भी कर सकता है. लोभ के कारण आदमी हिंसा में भी जा सकता है, झूठ भी बोल सकता है. आदमी को जितना संभव हो सके, लोभ को कम करने का प्रयास करना चाहिए. संतोष की चेतना का विकास हो तो आदमी लोभ से बच सकता है.

आचार्यश्री के मंगल प्रवचन के उपरान्त साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी ने भी जनता को संबोधित किया. बालिका प्रिया सोनी ने चौबीसी के गीत का संगान किया.

नवसारी में क्लासरूम में पढ़ाई के बजाय खेत में धान रोपती दिखीं छात्राएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के वांसदा तालुक के घोडमाल गांव में सरस्वती गर्ल्स हॉस्टल के खेत में धान रोपने और वनाचल माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली लड़कियों का एक वीडियो वायरल हुआ है। पता चला है कि जिस खेत में छात्र धान रोप रहे हैं, वह छात्रावास के प्राचार्य का है. वायरल वीडियो पर विवाद, गृहिणी ने कहा- मैंने छात्रों को आने से मना किया, लेकिन छात्रों ने कहा कि उन्हें उनकी मदद करनी होगी. इस मामले में आदिवासी विभाग ने भी जांच के आदेश दिए हैं और गृहणियों और छात्रों के बयान लेकर जांच की गई है.

सरस्वती कन्या छात्रालय नवसारी जिले के वांसदा तालुका के घोड़मल गांव में स्थित है। यहां रहने वाली छात्राएं वनांचल माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ती हैं। इस हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं द्वारा जारी बारिश के बीच धान के खेत में रोपाई करने का एक वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में जहां छात्र गृहिणी के साथ धान रोपते नजर आ रहे हैं, तो पता चला है कि जो खेत दिख रहा है वह गृहिणी चंपाबेन बागरिया का है. जिसमें गृहणियों के साथ-साथ हॉस्टल के छात्र भी धान रोपते नजर आ रहे हैं. पौधारोपण के समय बारिश हो रही है। कुछ छात्र चल रही बारिश में छाता लेकर पौधारोपण करते नजर आ रहे हैं।

घोड़मार गांव के सरपंच दिनेश गमीत का कहना है कि कल रात मुझे छात्राओं के काम करने का एक वीडियो मिला.

वलसाड में एसपी कार्यालय से विभिन्न पुलिस प्लाटून के साथ एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला प्रशासन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान २०२४ के तहत पुलिस पलटन के साथ एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया. वलसाड जिला पुलिस विभाग की अध्यक्षता में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया. वलसाड सांसद धवल पटेल विधायक समेत नेताओं ने एसपी कार्यालय से तिरंगा यात्रा शुरू की. तिरंगा यात्रा वलसाड एसपी कार्यालय से शुरू होकर वलसाड शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी. वलसाड शहर के व्यापारियों एवं अग्रणियों ने तिरंगा यात्रा का सम्मान किया. तिरंगा यात्रा के दौरान वलसाड के पुलिस बैंड ने लोगों में देशभक्ति का जोश बढ़ाने के लिए देशभक्तिके गीतों की धुन बजाई. वलसाड शहर की मुख्य सड़कों पर जब तिरंगा यात्रा निकली तो पूरा वलसाड शहर भारत माताकी जय के नारे से गूंज उठा.

वलसाड जिला प्रशासन द्वारा वलसाड शहर की मुख्य सड़कों पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया ताकि वलसाड जिले के सभी लोग आजादी के ७८वें वर्ष को धूमधाम और खुशी के साथ मना सकें। वलसाड एसपी कार्यालय में सांसद धवल पटेल, विधायक भरत पटेल, अरविंद पटेल, डीडीओ, प्रांतीय अधिकारी सहित जिले के सभी अधिकारी और पुलिसकर्मी, एनसीसी, एनएसएस के जवान तिरंगा यात्रा में शामिल हुए.

वलसाड एसपी कार्यालय से प्रारंभ होकर हलार चार रास्ता, आजाद चौक, मोंघाभाई हॉल होते हुए २ किमी के मार्ग से पुलिस अधीक्षक कार्यालय वापस लौटेगी। तिरंगा यात्रा में पुलिस घुड़सवार सेना, पुलिस मोटरसाइकिल दस्ता, विभिन्न पुलिस प्लाटून, पुलिस बैंड, एनसीसी, एनएसएस, योग बोर्ड के सदस्य, स्कूली छात्र और शिक्षक, आदिवासी नृत्य मंडली और स्वतंत्रता सेनानियों की पोशाक पहने बच्चे बड़ी संख्या में तिरंगे के साथ भाग लेंगे। यात्रा में गुजरात योग बोर्ड के १५० सदस्य योग करेंगे. जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट भी लगाए गए थे। तिरंगा यात्रा के दौरान यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। वलसाड शहर भर के स्थानीय लोगों, व्यापारियों ने तिरंगा यात्रा का भव्यता के साथ सम्मान किया।

अच्छा जीवन जीना मानव जीवन की सफलता - महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भगवान महावीर युनिवर्सिटि वर्तमान में भगवान महावीर के प्रतिनिधि, तेरापंथाधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी चतुर्मास स्थली बनी हुई है. देश-विदेश से प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित होकर आध्यात्मिकता की गंगा में डुबकी लगाकर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं. आचार्यश्री के श्रीमुख से अबाध रूप से प्रवाहित होने वाली ज्ञानगंगा जन-जन को सत्पथ दिखा रही है. मंगलवार को युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने आयारो आगम के आधार पर पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि आदमी जन्म लेता है और जीवन जीता है. किसी-किसी आदमी का जीवनकाल अच्छा और लम्बा भी होता है, किसी-किसी का मध्यम होता है तो कोई-कोई अल्पायु में ही मृत्यु को प्राप्त हो जाता है. मृत्यु सभी प्राणियों की होनी है। प्राणी जब जन्म लेता है तो वह मानों मृत्यु को भी साथ लेकर ही आता है. समय आने पर मृत्यु प्रगट हो जाती है. जन्म-मृत्यु का मानों गहरा अनुबंध होता है. इसलिए जन्म आया है तो कभी मृत्यु भी आ सकती है. मृत्युविहीन जन्म नहीं हो सकता और जन्मविहीन मृत्यु नहीं हो सकती. दोनों एक-दूसरे के सहयोगी होते हैं. एक जीवन का प्रारम्भिक छोर है तो दूसरा छोर मृत्यु है. नदी का एक तट जन्म है तो दूसरा तट मृत्यु है और बीच में मानों जीवन रूपी नदी प्रवाहित होती है.

कई मनुष्यों का जीवन अल्पायु वाला होता है. आयुष्य क्रम का अपना नियम होता है. तेरापंथ धर्मसंघ के चारित्रात्माओं में वर्तमान में साध्वी बिदामांजी जीवन के ग्यारहवें दशक में चल रही हैं. जीवन की अनियमितता को जानकर आदमी को कैसे जीवन जीना चाहिए, इसका ध्यान रखने का प्रयास करना चाहिए. अधिक जीवन जीने से अच्छा है अच्छा, धार्मिक जीवन जीने का प्रयास होना चाहिए. जीवन में अच्छे कार्य, सद्गुणों से युक्त हो तो मानव का अल्प जीवन भी कल्याणकारी बन सकता है. अल्पायु हो तो भी आदमी को अच्छा जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए. उदाहरण देते हुए कहा गया कि तेजस्वी जीवन का थोड़ा जीवन ही धुंआ बनकर लम्बे जीवन जीने से ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात होता है. आदमी को अच्छा जीवन जीने के लिए पुरुषार्थ करने की अपेक्षा होती है और कितना जीवन जीने में भाग्य की बात है. आदमी को यह प्रयास करना चाहिए कि आदमी को अपने जीवन में पुरुषार्थ करना चाहिए और जितना संभव हो सके जीवन को अच्छे रूप में जीने का प्रयास करना चाहिए. जीवन अच्छे रूप में जीना ही मानव जीवन की सफलता हो सकती है. मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री ने मुनि गजसुकुमाल के आख्यान क्रम का वाचन किया.

जैन विश्व भारती द्वारा आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में समण संस्कृति संकाय द्वारा वर्ष २०२४ का गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार श्रीमती विमला डागलिया को प्रदान किया गया. इस दौरान पुरस्कार प्राप्त करने वाली श्रीमती विमला डागलिया ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी. इस कार्यक्रम का संचालन जैन विश्व भारती के महामंत्री श्री सलिल लोढ़ा ने किया. आचार्यश्री महाश्रमणजी ने इस संदर्भ में पावन आशीर्वाद प्रदान किया.